शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

# विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 237 | गुवाहाटी | बुधवार, 27 मार्च, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भोजशाला में सर्वे के बीच हनुमान चालीसा का पाठ — पेज 2
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को शक्तिशाली बनाया : सोनोवाल — पेज 3
प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले 10 सालों में सनातन संस्कृति के उत्थान को... — पेज 5
56वीं राष्ट्रीय खो खो चैंपियनशिप में होगी 73 टीमों की टक्कर — पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

**सुप्रभात**

*भविष्य के अंधकार में छिपे कार्य के लिए श्रेष्ठ मंत्रणा दीपक के समान प्रकाश देने वाली है।*

– आचार्य चाणक्य

## 2026 तक कांग्रेस में कोई नहीं रहेगा : सीएम

**शोणितपुर ( हि.स. )।** मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि 2026 का चुनाव आते-आते कांग्रेस में कोई भी नहीं रह जाएगा। उन्होंने कहा कि शोणितपुर के कांग्रेस उम्मीदवार प्रेमलाल गंजू मुख्यमंत्री द्वारा एक फोन करने पर भाजपा में शामिल हो जाएंगे। मुख्यमंत्री यहां मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार को वोट देना राहुल गांधी को वोट देना है और भाजपा उम्मीदवार को वोट देने का मतलब नरेंद्र मोदी को वोट देना है। जो लोग नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास रखते हुए देश को विश्वगुरू और विकसित भारत बनाना चाहते हैं वे निश्चित ही नरेंद्र मोदी को वोट देंगे। वहीं, राहुल गांधी का खुद का कोई भविष्य नहीं है। ऐसे में राहुल गांधी को वोट देने का कोई लाभ नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी के नेता का ही कोई भविष्य नहीं हो, उसके समर्थकों का क्या भविष्य होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में कोई भी रहने वाला नहीं है। कांग्रेस विधायक भरत नरह द्वारा पार्टी के पद से इस्तीफा देने के संदर्भ में मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि अब तक भरत नरह के साथ उनका कोई संपर्क नहीं हुआ है, इसलिए इस संदर्भ में कोई टिप्पणी नहीं करना -शेष पृष्ठ दो पर

## जमानत की शर्त में राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने से रोक नहीं : सुप्रीम कोर्ट

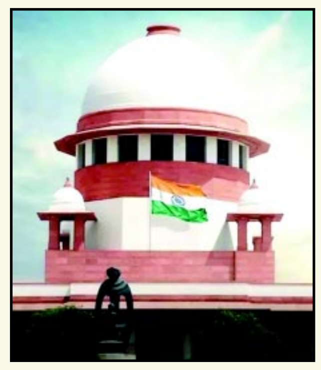

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने एक व्यक्ति पर उड़ीसा उच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई जमानत की शर्त को खारिज कर दिया है। जिसमें कहा गया था कि वह किसी भी राजनीतिक गतिविधि में शामिल नहीं होगा। एससी ने कहा कि यह उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने उच्च न्यायालय के 18 जनवरी के आदेश के खिलाफ बरहामपुर नगर निगम के पूर्व मेयर सिबा शंकर दास द्वारा दायर याचिका पर आदेश पारित किया। उच्च न्यायालय ने जमानत की शर्त वापस लेने की उनकी अर्जी खारिज कर दी थी जिसमें कहा गया था कि वह सार्वजनिक रूप से कोई अप्रिय स्थिति पैदा नहीं करेंगे और प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी राजनीतिक गतिविधि में शामिल नहीं होंगे। उच्च न्यायालय ने अगस्त 2022 में उन्हें जमानत पर रिहा करने का आदेश देते हुए यह शर्त लगाई थी। शीर्ष अदालत ने अपने 22 मार्च के आदेश में कहा, हमने पाया है कि ऐसी शर्त लगाने से अपीलकर्ता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा और ऐसी कोई शर्त नहीं लगाई जा सकती है। इसमें कहा गया है, इसलिए, हम उच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई शर्त को उस सीमा तक रद्द और खारिज करते हैं, जैसा कि ऊपर बताया गया है। दास ने जमानत पर रिहाई का निर्देश देते हुए 11 अगस्त, 2022 के आदेश में लगाई गई शर्त में संशोधन की मांग करते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। उनके वकील ने उच्च न्यायालय को बताया था कि अपीलकर्ता को एक राजनीतिक -शेष पृष्ठ दो पर

## न्यूज गैलरी

### मणिपुर : युवती की मौत की जांच सीबीआई को

**नई दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय ने दक्षिण दिल्ली में किराये के एक मकान में 2013 में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाई गई 25 वर्षीय मणिपुरी युवती की मौत की सीबीआई जांच का निर्देश देते हुए कहा कि अनसुलझे अपराध उन संस्थानों में लोगों का विश्वास घटा देते हैं जिनकी स्थापना -शेष पृष्ठ दो पर

### नेपाल के मेयर की बेटी गोवा से लापता

**काठमांडू ( हि.स. )।** धनगढी उपमहानगरपालिका के मेयर गोपाल हमाल की बड़ी बेटी पिछले दो दिनों से गोवा से लापता है। ओशो के ध्यान शिविर में शामिल होने के लिए गई आरती हमाल से परिवार वालों का कोई भी संपर्क नहीं हो पा रहा है। पिता ने काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से गोवा पुलिस से संपर्क किया है। धनगढी के मेयर गोपाल हमाल ने फेसबुक पर एक -शेष पृष्ठ दो पर

## चुनाव के बाद दायित्व बढ़ जाएगा : मुख्यमंत्री

**डिब्रूगढ़ ( हि.स. )।** मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि आसन्न लोकसभा चुनाव में भाजपा को अपार सफलता मिलेगी। चुनाव के बाद भाजपा और हमारी सरकार का दायित्व और अधिक बढ़ जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा मंगलवार को डिब्रूगढ़ से भाजपा प्रत्याशी तथा निवर्तमान केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल के नामांकन पत्र दाखिल करने में शामिल होने के दौरान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अरुणोदय से लेकर तमाम योजनाओं का लाभ प्राप्त करने वाले लोग इस बार भाजपा के लिए मतदान करेंगे। उन्होंने कहा कि सर्वानंद सोनोवाल ढाई लाख से अधिक मतों के अंतर से चुनाव जीतेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले चरण में होने वाले -शेष पृष्ठ दो पर

## बरपेटा सत्र में उत्साहपूर्ण समारोहों के साथ दोल उत्सव संपन्न

**बरपेटा।** दोल महोत्सव का जीवंत और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध उत्सव, जिसे *सुवेरी उत्सव* भी कहा जाता है, आज ऐतिहासिक बरपेटा सत्र में संपन्न हुआ। महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के शिष्य महापुरुष श्री श्री माधवदेव द्वारा स्थापित इस प्रतिष्ठित स्थल पर हजारों भक्त भगवान कृष्ण को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए। दिन की शुरुआत बरपेटा सत्र के डेका सत्रिया के नेतृत्व में गंभीर प्रार्थनाओं के साथ हुई, -शेष पृष्ठ दो पर

## माइंडगेम खेल रहे हैं मुख्यमंत्री : कांग्रेस

**दिसपुर।** असम की राजनीति में एक बार फिर से हलचल मचती दिख रही है। दरअसल प्रदेश के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने प्रदेश कांगेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा को लेकर बड़ा दावा किया है। सीएम शर्मा का कहना है कि भूपेन कुमार बोरा अगले साल की शुरुआत में भारतीय जनता पार्टी का दामन थामेंगे। उधर बोरा ने शर्मा के दावों को झूठा करार दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का कहना है कि शर्मा वास्तविक मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाकर माइंडगेम खेल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

## समाचार प्रकाशन के खिलाफ प्री-ट्रायल निषेधाज्ञा गलत : एससी

**नई दिल्ली।** अभिव्यक्ति की आजादी के मामले में सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की पीठ ने बड़ा आदेश पारित किया है। अंतर्राष्ट्रीय मीडिया समूह ब्लूमबर्ग से जुड़ी अवमानना याचिका के मामले में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने कहा कि अदालतों को असाधारण मामलों को छोड़कर किसी समाचार लेख के प्रकाशन के खिलाफ एकपक्षीय निषेधाज्ञा नहीं देना चाहिए। अदालत ने साफ किया कि लेखक की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार और जनता के जानने के अधिकार पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। इस टिप्पणी के साथ शीर्ष अदालत ने देश की मशहूर मीडिया समूह के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक समाचार लेख का प्रकाशन रोकने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेश को भी निरस्त कर दिया। अंतर्राष्ट्रीय मीडिया समूह ब्लूमबर्ग पर जी एंटरटेनमेंट के खिलाफ अपमानजनक लेख लिखने का आरोप है। निचली अदालत ने लेख को हटाने का निर्देश दिया था, लेकिन शीर्ष अदालत ने कहा कि सामग्री के प्रकाशन के खिलाफ निषेधाज्ञा मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद ही दी जानी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि किसी लेख के प्रकाशन के खिलाफ *प्री-ट्रायल निषेधाज्ञा* जैसे आदेश से लेखक की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जनता के जानने के अधिकार पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट में तीन जजों की पीठ में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे। अदालत ने कहा कि निषेधाज्ञा, विशेष रूप से एकपक्षीय नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

## भारतीय मूल के क्रिकेटर पर दुष्कर्म का आरोप

**मेलबॉर्न।** भारतीय मूल के क्रिकेटर एक रेप केस में फंसता दिखाई दे रहा है। दरअसल, इस भारतीय मूल के क्रिकेटर पर ऑस्ट्रेलिया की महिला से दुष्कर्म का आरोप लगा है। निखिल चौधरी जो ऑस्ट्रेलिया में होने वाले बिग बैश लीग में होबार्ट हरिकेंस के लिए खेलते हैं। उन पर ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में ऑस्ट्रेलियाई महिला संग दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। महिला के आरोपों के मुताबिक, निखिल ने अपनी कार में इस घटना को अंजाम दिया। महिला द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद निखिल चौधरी ने खुद को निर्दोष बताया है। रिपोर्ट के अनुसार निखिल चौधरी एक महिला से क्लब में मिलते हैं जिसके बाद वो उसको अपनी कार में ले गए और महिला के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

## चुनाव आयोग से मिला भाजपा प्रतिनिधि मंडल

**नई दिल्ली ( हि.स )।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को राजनेताओं द्वारा समान उल्लंघनों के लिए विभिन्न राज्यों में चुनाव अधिकारियों के अलग-अलग दृष्टिकोण का मुद्दा उठाया और चुनाव आयोग से सही समय पर कड़े कदम उठाने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और भाजपा महासचिव विनोद तावड़े सहित पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने इस विसंगति को उजागर करने के लिए चुनाव आयोग से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा नेता ओम पाठक और संजय मयूख भी शामिल थे। तावड़े ने बाद में पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विपक्ष का घमंडिया इंडी गठबंधन तीन लक्ष्यों को लेकर चुनाव लड़ने जा रहा है। पहला- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली देना। दूसरा- नारी शक्ति का अपमान करना और तीसरा देश की संस्कृति को अपमानित करते रहना है। उन्होंने कहा कि हमने आयोग के समक्ष विशेष रूप से राजनेताओं द्वारा समान उल्लंघनों के प्रति -शेष पृष्ठ दो पर

## भाजपा की बशीरहाट उम्मीदवार से पीएम ने की बात

**नई दिल्ली ( हि.स )।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को संदेशखाली मुद्दा उठाने वाली भाजपा की बशीरहाट उम्मीदवार रेखा पात्रा से बात की और उन्हें *शक्ति स्वरूपा* बताया। वह संदेशखाली में हुए घटनाक्रम की पीड़िता भी हैं। सोशल मीडिया पर आई बातचीत की ऑडियो में प्रधानमंत्री मोदी ने बशीरहाट से उम्मीदवार रेखा पात्रा के अभियान और भाजपा के समर्थन के बारे में पूछताछ की। पात्रा ने संदेशखाली महिलाओं की पीड़ा पर -शेष पृष्ठ दो पर

## खैबर पख्तूनख्वा में बड़ा आत्मघाती हमला पांच चीनी इंजीनियरों समेत छह की मौत

**इस्लामाबाद ( हि.स. )।** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के शांगला इलाके के बेशम शहर में मंगलवार को बड़े आत्मघाती हमले में पांच चीनी नागरिकों सहित कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। मलकंद के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) ने इसकी पुष्टि की है। डीआईजी ने हताहतों की संख्या की पुष्टि करते हुए बताया कि एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से भरे अपने वाहन को उस कार से टकरा दिया, जिसमें चीनी नागरिक सवार थे। हमले में गंभीर रूप से घायल पाकिस्तानी कार चालक को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि चीनी नागरिक इंजीनियर थे, जो इस्लामाबाद से दासू कैंप, कोहिस्तान जा रहे थे। उन्होंने बताया कि हमले के बाद सुरक्षाकर्मियों की एक बड़ी टुकड़ी घटनास्थल पर पहुंची और इलाके को घेर कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। घटना की सूचना देते हुए आंतरिक मंत्री मोहसिन -शेष पृष्ठ दो पर

## मां ने एक माह के बच्चे को कुएं में फेंका

**चेन्नई।** तमिलनाडू में एक महिला ने अपने बच्चें को कुएं में फेक दिया। इस घटना के बाद शोलावरम पुलिस ने महिला को बच्चे को फेंकने के आरोप में गिरफ्तार किया है। वहीं, महिला ने घटना को अंजाम देने के बाद दावा किया था कि जब वह शौचालय में थी तो बच्चा लापता हो गया था। पुलिस ने कहा कि आर संध्या और पेंटर रमेश की शादी करीब एक साल पहले हुई थी और वे रेड हिल्स के पास विजयनल्लू गांव में रह रहे थे। उन्होंने पिछले महीने एक बच्चे को जन्म दिया। बच्चे में स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं विकसित होने के कारण दम्पति अक्सर झगड़ते थे। संध्या भी बच्चे को दूध नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

## अटल पेंशन योजना को *कागजी शेर* बताने पर वित्त मंत्री का पलटवार

**नई दिल्ली।** कांग्रेस ने मंगलवार को अटल पेंशन योजना को *कागजी शेर* करार देते हुए मोदी सरकार पर निशाना साधा तथा आरोप लगाया कि यह बहुत ही खराब तरीके से तैयार की गई योजना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पलटवार करते हुए कहा कि अटल पेंशन योजना बेहतर विकल्प के आधार पर डिजाइन की गई है और यह न्यूनतम आठ प्रतिशत रिटर्न की गारंटी देती है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि यह योजना मोदी सरकार के *सुर्खियां प्रबंधन* वाले नीति निर्धारण को सही ढंग से प्रतिबिम्बित करती है, जिसका वास्तव में कुछ लाभ ही लोगों तक पहुंच रहा है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधने के लिए एक खबर का हवाला दिया जिसमें दावा किया गया है कि असंगठित क्षेत्र के लिए केंद्र सरकार की अटल पेंशन योजना (एपीवाई) से बाहर निकलने वाले तीन ग्राहकों में से लगभग एक ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उनके खाते उनकी अनुमति के बिना खोले गए थे। इस खबर में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के हालिया अध्ययन का हवाला दिया गया है। रमेश ने *एक्स* पर पोस्ट किया कि वित्त मंत्री (निर्मला सीतारमण) 24 मार्च को -शेष पृष्ठ दो पर

## *भारत माता की जय* और *जय हिंद* के नारे भारतीय ने लगाए थे : भाजपा

**नई दिल्ली ( हि.स )।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने *भारत माता की जय* और *जय हिंद* के नारे पर केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के बयान को विभाजनकारी मानसिकता का प्रतीक बताया और कहा कि ये नारे किसी हिंदू या मुसलमान ने नहीं, बल्कि एक भारतीय ने लगाए थे। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कल केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पर बोलते-बोलते एक बहुत ही विचित्र बयान दिया। उन्होंने कहा है कि भारत माता की जय और जय हिंद के नारे सबसे पहले दो मुसलमानों -शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

## भाजपा ने छठी सूची जारी की

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को लोकसभा चुनावों से जुड़ी अपनी छठी सूची जारी की है। इसमें राजस्थान से दो और मणिपुर से एक नाम है। पार्टी ने राजस्थान की दौसा लोकसभा सीट से कन्हैया लाल मीना और करौली-डोलपुर सीट से इंदु देवी को मैदान में उतारा है। इनर मणिपुर सीट से थौनाओजम बसंत कुमार सिंह चुनाव लड़ेंगे।

# भोजशाला में सर्वे के बीच हनुमान चालीसा का पाठ

**धार ( हि.स. )।** मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ के आदेश पर धार की ऐतिहासिक भोजशाला में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग का सर्वे पांचवें दिन मंगलवार को भी जारी है। इसी बीच भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने मंगलवार को हिन्दुओं को पूजा-अर्चना की अनुमति दी गई है। इसके तहत सुरक्षा जांच के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु भोजशाला में पहुंचे और हनुमान चालीसा का पाठ किया। कड़े सुरक्षा इंतजाम के बीच प्रत्येक श्रद्धालुओं की चेकिंग की गई और मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। पूजा के बाद बाहर आए श्रद्धालुओं ने कहा कि सर्वे के फैसले से हिंदू समाज खुश है। यहां 1952 से लगातार सत्याग्रह चल रहा है। हनुमान चालीसा के बाद आरती और पूजा संपन्न हुई। श्रद्धालुओं ने कहा कि निर्देश के अनुसार उन्होंने 11 बजे भोजशाला परिसर खाली कर दिया है। इधर, भोजशाला में एएसआई का सर्वे भी शुरू हो चुका है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की टीम भोजशाला के पिछले हिस्से में यह सर्वे कार्य कर रही है, ताकि किसी भी तरह से हिंदू समाज के लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। दोनों ही पक्ष की मौजूदगी में मंगलवार को यह सर्वे भीतरी परिसर में करवा पाना संभव नहीं था, इसलिए बाहरी परिसर में ही यह सर्वे करवाया जा रहा है। यहां आने वाले श्रद्धालु किसी भी तरह के सर्वे की प्रक्रिया को देख नहीं सकें, इसके लिए बड़े-बड़े पर्दे लगा दिए गए हैं। साथी मुख्य द्वार से केवल भीतर प्रवेश कर सकते हैं। अन्य स्थानों पर जाने पर रोक लगा दी गई है। चार स्थानों पर उत्खनन का कार्य जारी है। संभावना है कि इसमें हिंदू प्रतीक चिह्न मिल सकते हैं, इसी के मद्देनजर यह उत्खनन विशेष माना जा रहा है। एएसआई की दिल्ली और भोपाल की टीम भोजशाला का सर्वे कर रही है। यह वैज्ञानिक सर्वे मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के आदेश पर ज्ञानवापी की तर्ज पर हो रहा है।

# बाल्टीमोर में जहाज के टकराने से टूटा सबसे लंबा *की ब्रिज*, पुल का बड़ा हिस्सा गिरा नदी में

**बाल्टीमोर।** बाल्टीमोर का सबसे लंबा फ्रांसिस स्कॉट ब्रिज मंगलवार सुबह एक बड़े मालवाहक जहाज से टकरा जाने के बाद पानी में ढह गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुल के ढहने से पहले उसमें आग लग गई और कई वाहन नीचे नदी में गिर गए। जब पुल ढहा तो लगभग सात निर्माण श्रमिक और तीन से चार नागरिक वाहन उस समय ब्रिज पर मौजूद थे। बड़े पैमाने पर हताहत होने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद पुल को वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों से दोनों दिशाओं में जाने वाली सभी लेन बंद कर दी हैं। घटना स्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। चोटों और हताहतों के बारे में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। बता दें कि मैरीलैंड के बाल्टीमोर में जो ब्रिज है उसकी लंबाई 1.6 मील (2.57 किमी) है। इसका नाम फ्रांसिस स्कॉट ब्रिज है। फ्रांसिस स्कॉट की के नाम पर बने इस पुल को 1977 में खोला गया था। माना जा रहा है कि हादसे के दौरान ब्रिज पर लगभग 7 लोग मौजूद थे। इसका एक लाइव वीडियो यूट्यूब पर पोस्ट किय गया है, जिसमें एक जहाज को पुल से टकराते हुए देखा जा सकता है। जैसे ही जहाज पुल से टकराता है उसके ठीक तुरंत बाद उसके कई हिस्से पटप्सको नदी में गिर जाते है। बाल्टीमोर सिटी अग्निशमन विभाग ने दुर्घटना को बड़ा बताया और कहा कि कर्मचारी नदी में सात लोगों की तलाश में जुटे हुए है।

## कांग्रेस के नामदेव उसेंडी ने पार्टी छोड़ी

**मुंबई ( हि.स. )।** महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस में प्रदेश आदिवासी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक डॉ. नामदेव उसेंडी ने मंगलवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। बताया जा रहा है कि नामदेव उसेंडी भाजपा के संपर्क में हैं और बहुत जल्द भाजपा में शामिल हो सकते हैं। डॉ. नामदेव उसेंडी ने मंगलवार को पत्रकारों को बताया कि उन्होंने गढ़चिरौली-चिमुर संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस का टिकट मांगा था। इस सीट पर उन्होंने इससे पहले लोकसभा चुनाव लड़ा था और काफी कम अंतर से पराजित हुए थे।

## दो अज्ञात शव

**गुवाहाटी।** दो अज्ञात शव जीएमसीएच के मुरदा घर में है, जिसकी लिखित जानकारी भांगागढ़ थाने को दे दी गई है, ताकि वह आवश्यक कार्रवाई करे। प्राप्त समाचार के अनुसार दो अज्ञात शवों में एक पुरुष की उम्र 55 वर्ष है, जिसका देहावसान 23 मार्च को पौने सात बजे हुआ। दूसरा शव अमीनगांव से बीते 14 मार्च को 7.15 बजे मिला। दूसरे अज्ञात शव की उम्र भी 55 वर्ष है।

## शिवसेना के पूर्व सांसद राकांपा में शामिल

**मुंबई ( हि.स. )।** शिवसेना के पूर्व सांसद शिवाजीराव आढ़लराव पाटिल मंगलवार को अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में शामिल हो गए। अजित पवार ने शिवाजी राव पाटिल को शिरूर संसदीय सीट से भाजपा गठबंधन का उम्मीदवार घोषित किया है। शिरुर संसदीय सीट से महाविकास आघाड़ी से सांसद अमोल कोल्हे चुनाव लड़ेंगे। अजित पवार ने कहा कि शिरुर लोकसभा क्षेत्र में शिवाजी राव पाटिल को लोगों का जमसमर्थन प्राप्त है। इसलिए पाटिल को शिरुर में बढ़त मिलेगी। शिवाजी राव पाटिल शिवसेना से शिरुर के सांसद रह चुके हैं।

# *पृष्ठ एक का शेष*

### *2026 तक कांग्रेस...*

चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सभी ऐसे नेता जो राष्ट्र निर्माण के लिए कुछ करना चाहते हैं, कांग्रेस छोड़कर निश्चित ही भाजपा में शामिल हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मीडिया में सिर्फ वरिष्ठ नेताओं के भाजपा में शामिल होने की खबरें ही आती है। जबकि, बूथ स्तर के हजारों-हजार कांग्रेस समर्थक भाजपा में प्रत्येक दिन शामिल हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री आज डिब्रूगढ़ के भाजपा उम्मीदवार केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल के नामांकन पत्र दाखिल होने के कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने सोमवार को कहा था कि वे सोनोवाल के साथ ही प्रदान बरुवा, तपन गोगोई तथा कामाख्या प्रसाद तासा के नामांकन पत्र दाखिल करने के समय भी उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री ने सोमवार की रात शोणितपुर से भाजपा के प्रत्याशी रंजीत दत्ता के आवास पर पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने रात्रि का आहार भी रंजीत दत्ता के आवास पर ही ग्रहण किया।

### *जमानत की शर्त में ...*

व्यक्ति होने के नाते आगामी आम चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति दी जा सकती है। राज्य ने उनकी प्रार्थना पर आपत्ति जताई थी और कहा था कि जमानत पर रिहा होने के बाद उन पर जानलेवा हमला किया गया था। उच्च न्यायालय ने कहा था, दोनों पक्षों को सुनने और वर्तमान स्थिति पर विचार करने के बाद, क्योंकि यह एक तथ्य है कि वह न केवल अन्य मामलों में शामिल था, बल्कि उस पर जानलेवा प्रयास भी किया गया था, जमानत की शर्तों को संशोधित करना अनुचित होगा। अपीलकर्ता को राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए कहा गया है जो अपीलकर्ता से जुड़े इलाके में कानून और व्यवस्था की स्थिति को और खराब करेगा।

### *चुनाव के बाद ...*

राज्य की 11 सीटों पर चुनाव में भाजपा प्रत्याशी की जीत निश्चित है। इसके संपन्न हो जाने के बाद दूसरे चरण में नगांव और करीमगंज सीट पर विजय प्राप्त करने के लिए पार्टी अपनी पूरी ताकत लगाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के उम्मीदवारों का अन्य किसी पार्टी से कोई मुकाबला नहीं है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा के साथ प्रत्याशी सर्वानंद सोनोवाल, डिब्रूगढ़ के निवर्तमान सांसद तथा केंद्रीय मंत्री रामेश्वर तेली, प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष भबेश कलिता, असम गण परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष तथा राज्य के स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत, बिमल बोरा, जोगेन मोहन समेत असम सरकार के कई मंत्री, भाजपा के विधायक एवं पार्टी के अन्य नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा सर्वानंद सोनोवाल के साथ रैली करते हुए डीसी कार्यालय तक पहुंचे।

### *बरपेटा सत्र में ...*

जो गुलाल के छिड़काव जैसे अनुष्ठानिक संकेतों के माध्यम से भक्ति का प्रतीक थी। ये समारोह श्रद्धा और परंपरा में निहित सत्रिया संस्कृति के सार को दर्शाते हैं। जैसे-जैसे उत्सव आगे बढ़ा, हवा भक्ति भजनों से भर गई, सुवेरी की भावना गूंज उठी और बरपेटा सत्र की सीमाओं को पार कर गई। अनुष्ठानों में *हेकेता* के लिए कनारा सत्र तक गोसाईं (कालिया ठाकुर और दोल गोविंदा) का जुलूस शामिल था, जिसके बाद बरपेटा सत्र में उनकी वापसी हुई। बरपेटा सत्र के प्रवेश द्वार पर एक महत्वपूर्ण परंपरा सामने आई, जहां भक्तों ने देवी लक्ष्मी और भगवान कृष्ण के अनुयायियों के बीच एक प्रतीकात्मक बहस की। कीर्तन घर के चारों ओर सात घेरे बनाने के बाद, भगवान कृष्ण को मुख्य प्रार्थना कक्ष में प्रवेश करने की अनुमति दी गई, जिससे *बोलबोलोनी* परंपरा का समापन हुआ और देवी लक्ष्मी के भक्तों को जुर्माना देना पड़ा। धार्मिक रीति-रिवाजों और विरासत से ओतप्रोत यह त्योहार भगवान कृष्ण के प्रति भक्तों की एकता और भक्ति को प्रदर्शित करता है। *संध्या समयात करिया अनेक कीर्तन, गृहोर वितारे पैलंता माधव* के मंत्रोच्चार के साथ, भगवान कृष्ण की मूर्तियों का कीर्तन घर में स्वागत किया गया, जो बरपेटा सत्र में इस वर्ष के दोल महोत्सव के समापन का प्रतीक है।

### *माइंडगेम खेल रहे ...*

कि 2025 के जनवरी या फरवरी महीने में भूपेन बोरा भाजपा का दामन थाम लेंगे। मैंने उनके लिए दो विधानसभा सीटें तैयार की हैं, हालांकि मैं अभी इन सीटों का नाम नहीं बताऊंगा। शर्मा ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी अब भाजपा की फिक्स्ड डिपॉजिट बन गई है। जब भी जरूरत होती है, हम उन्हें पार्टी में ले आते हैं। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस को वोट देने का मतलब राहुल गांधी को वोट देना है। राहुल गांधी का खुद का भविष्य अंधकारमय है और उनके अनुयायियों का भविष्य और भी अंधकारमय है। उधर असम कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने सीएम शर्मा के दावों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि शर्मा असल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए माइंडगेम खेल रहे हैं। उन्होंने सवाल कि मुझे भाजपा में क्यों शामिल होना चाहिए? क्या मेरे भाजपा में शामिल होने से अनुसूचित जनजाति का दर्जा मांग रहे लोगों को अधिकार मिल पाएगा? क्या नई नौकरियां पैदा होंगी? क्या भूमिहीन मूल निवासियों को भूमि अधिकार मिलेगा? बोरा ने कहा कि मुख्यमंत्री ज्वलंत मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय इधर उधर की बातें कर रहे हैं। असम में 14 लोकसभा सीटों पर तीन चरणों में चुनाव होगा। मतदान 19 अप्रैल, 26 अप्रैल और सात मई होगा और परिणाम चार जून को जारी किए जाएंगे।

### *समाचार प्रकाशन के...*

होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि जिस सामग्री का प्रकाशन प्रतिबंधित करने की मांग की गई है, वह *दुर्भावनापूर्ण* या *स्पष्ट रूप से झूठी* है, यह साबित हुए बिना निषेधाज्ञा का आदेश नहीं दिया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि दूसरे शब्दों में मुकदमे का ट्रायल शुरू होने से पहले लापरवाही से अंतरिम निषेधाज्ञा जैसे आदेश *सार्वजनिक बहस का गला घोंटने की तरह* हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ की पीठ ने साफ किया कि अदालतों को असाधारण मामलों को छोड़कर एकपक्षीय निषेधाज्ञा नहीं देनी चाहिए। ऐसा करने पर मुकदमे की सुनवाई के दौरान प्रतिवादी की तरफ से बचाव में पेश की गई दलीलें निस्संदेह असफल होंगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आरोप साबित होने से पहले प्रकाशित होने वाली सामग्री के खिलाफ अंतरिम निषेधाज्ञा, वह भी मुकदमा शुरू होने से पहले *मौत की सजा* की तरह है। अदालत ने कहा कि मानहानि के मुकदमों में अंतरिम निषेधाज्ञा देते समय, स्वतंत्र भाषण और सार्वजनिक भागीदारी पर रोक जैसे पहलुओं पर भी ध्यान रखना चाहिए। अदालतों को लंबी मुकदमेबाजी का उपयोग करने की क्षमता पर भी ध्यान देना चाहिए। शीर्ष अदालत ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 14 मार्च के आदेश के खिलाफ ब्लूमबर्ग की तरफ से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ उसकी अपील खारिज कर दी थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि ट्रायल जज की गलती को हाईकोर्ट ने भी बरकरार रखा। ट्रायल जज के आदेश में प्रथम दृष्टया वादी के मामले की ताकत का उल्लेख नहीं। इसमें सुविधा के संतुलन या अपूरणीय कठिनाई को भी अनदेखा किया गया है। ट्रायल जज के सामने तथ्यात्मक आधार और प्रतिवादी की दलीलें पेश करने के बाद ट्रायल जज को यह विश्लेषण करना चाहिए था कि इस मामले में एकपक्षीय निषेधाज्ञा क्यों जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट में तीन जजों की खंडपीठ ने कहा कि यह एक मीडिया प्लेटफॉर्म के खिलाफ मानहानि की कार्यवाही में दी गई निषेधाज्ञा का मामला है। संवैधानिक रूप से संरक्षित अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर निषेधाज्ञा का गहरा प्रभाव पड़ रहा है। इस कारण निचले अदालत के आदेश में हस्तक्षेप की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ट्रायल जज की गलती को उच्च न्यायालय ने बरकरार रखा। आदेश में केवल यह दर्ज करना कि निषेधाज्ञा के लिए प्रथम दृष्टया मामला बनता है, पर्याप्त नहीं। इससे पलड़ा जी के पक्ष में झुकता है। इससे अपूरणीय क्षति भी होगी। क्योंकि मामले में दिमाग का इस्तेमाल नहीं किया गया। अदालत ने जी को नए सिरे से निषेधाज्ञा की मांग की अपील करने के लिए ट्रायल कोर्ट में नया मुकदमा करने की स्वतंत्रता भी दी। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि फैसले और आदेश के उपरोक्त खंड को वर्तमान मामले की खूबियों पर टिप्पणी के रूप में नहीं माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि अंतरिम निषेधाज्ञा से जुड़े आदेश के उपरोक्त खंड का उद्देश्य आवेदन की सुनवाई के दौरान ध्यान में रखे जाने वाले व्यापक पैरामीटर प्रदान करना है।

### *चुनाव आयोग से मिला...*

विभिन्न राज्यों के चुनाव अधिकारियों के अलग-अलग दृष्टिकोण का मुद्दा उठाया है। भाजपा नेता ने इस संबंध में कर्नाटक से लोकसभा चुनाव लड़ रही केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे का मुद्दा उठाते हुए कहा कि करंदलाजे के बयान पर स्थानीय चुनाव अधिकारियों का अलग रुख था जबकि तमिलनाडु के एक मंत्री के उसी प्रकार के बयान पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि भाजपा का मानना है कि कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना पंजाब और पश्चिम बंगाल के चुनाव अधिकारी किसी दबाव में आदर्श चुनाव आचार संहिता के तहत जो कार्रवाई करनी चाहिए, वह नहीं कर रहे हैं। आयोग को इस दिशा में उचित कदम उठाने चाहिए। उन्होंने इस संबंध में तमिलनाडु सरकार में मंत्री अनीता आर राधाकृष्णन सहित अन्य नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री के लिए अभद्र भाषा के इस्तेमाल का मुद्दा उठाया। तावड़े ने शिव सेना (यूबीटी) नेता संजय राउत द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की तुलना मुगल शासक औरंगजेब से करने की ओर भी ध्यान दिलाया। तावड़े ने कहा कि हमने चुनाव आयोग से सही समय पर कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया और हमें आश्वासन दिया गया कि आयोग इस मुद्दे पर गौर करेगा।

### *भाजपा की बशीरहाट ...*

प्रकाश डाला। उन्होंने वहां की परिस्थिति से प्रधानमंत्री को अवगत कराया और यह भी बताया कि वे क्या करना चाहती है। प्रधानमंत्री ने इस बात को लेकर उनकी प्रशंसा की कि वे विरोधी तृणमूल कार्यकर्ताओं के साथ भी हुए अन्याय के लिए काम करना चाहती हैं। बातचीत के दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र मोदी ने चुनाव आयोग से अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर पिछले कई सालों से वोट नहीं कर पाने वाले लोग इस बार वोट कर पायें, यह सुनिश्चित किया जाए। नरेंद्र मोदी ने कहा कि स्थानीय जनता बंगाल में तृणमूल कांग्रेस से परेशान है। उन्हें आशा है कि वहां की महिलाएं भाजपा को बेहतर भविष्य के लिए वोट करेंगी। उल्लेखनीय है कि रेखा पात्रा तृणमूल कांग्रेस के निलंबित नेता शेख शाहजहां के खिलाफ इलाके में महिलाओं के विरोध प्रदर्शन का चेहरा रही हैं। स्थानीय दबंग नेता और उनके गुर्गों पर संदेशखाली में स्थानीय लोगों की भूमि अवैध रूप से कब्जाने और आदिवासी महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप है। शाहजहां अभी जेल में है।

### *खैबर पख्तूनख्वा में ...*

नकवी ने इस्लामाबाद में चीनी दूतावास का दौरा किया और राजदूत को हमले और चीनी इंजीनियरों की मौत का ब्योरा दिया। उन्होंने हमले वाली जगह पर चल रहे बचाव अभियान का ब्योरा भी साझा किया। नकवी ने हमले में शामिल तत्वों से सख्ती से निपटने का वादा करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा पाकिस्तानी अपने चीनी भाइयों के दुख को समान रूप से साझा करता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान-चीन भाईचारे के रिश्तों पर हमला स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि हम द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित नहीं होने देंगे। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने हमले की कड़ी निंदा की और लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया। जरदारी के हवाले से पाकिस्तान के राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स अकाउंट द्वारा जारी बयान में कहा गया कि पाकिस्तान विरोधी ताकतें पाकिस्तान-चीन की दोस्ती को कभी भी नुकसान पहुंचाने में सफल नहीं होंगी। गिलगित-बाल्टिस्तान के मुख्यमंत्री हाजी गुलबर खान ने भी हमले की निंदा की और लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि चीनी नागरिकों पर हमला पाकिस्तान-चीन दोस्ती को बर्बाद करने की साजिश है। इस बीच, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने आतंकवादियों के कृत्य और चीनी नागरिकों की मौत की निंदा की। पीपीपी के मीडिया सेल द्वारा एक्स पर जारी बयान में कहा गया कि बिलावल ने हमले के शिकार चीनी नागरिकों के प्रति संवेदना व्यक्त की और पाकिस्तानी अधिकारियों से हमले के जिम्मेदार और उनके मददगारों को बेनकाब कर दंडित करने का आह्वान किया।

### *भारतीय मूल के...*

रेप किया। हालांकि निखिल चौधरी की तरफ से इन आरोपों को झूठा और गलत बताया गया है। बता दें कि निखिल चौधरी का जन्म भारत के पंजाब राज्य में हुआ था। निखिल ने पंजाब के लिए घरेलू क्रिकेट भी खेला है लेकिन अब वेऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते है। ऑस्ट्रेलिया में निखिल ने पोस्टमैन का भी काम किया है। अब निखिल ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित टी20 लीग बैग बैश लीग में होबार्ट हरिकेंस टीम के लिए क्रिकेट खेलते हैं। बिग बैश लीग में निखिल चौधरी ने अभी तक 9 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान उनकी 6 पारियों में बल्लेबाजी आई। इस दौरान निखिल ने 142 के स्ट्राइक से 154 रन बनाए थे।

### *मां ने एक माह ...*

पिला पा रही थी। रमेश रविवार को एक मंदिर उत्सव में गया था, जब संध्या ने घर वापस आकर नाटक किया कि उसका बेटा लापता हो गया है। उसने पड़ोसियों को बताया था कि उसने बच्चे को हॉल में सुलाया था और जब वह शौचालय में थी तो बच्चा गायब हो गया। पड़ोसियों ने रमेश को सूचित किया और शोलावरम पुलिस को भी घटना के बारे में जानकारी दी। पुलिस और तमिलनाडु फायर एंड रेस्क्यू सर्विसेज (टीएनएफआरएस) की एक टीम ने इलाके की तलाशी ली। ग्रामीणों ने भी बच्चे की तलाश की। एक घंटे बाद उन्हें घर के पास एक कुएं में बच्चा तैरता हुआ मिला। बच्चे को पास के एक अस्पताल में ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस को संध्या पर तब शक हुआ जब उसने उनके सवालों का गोलमोल जवाब दिया। बाद में लगातार पूछताछ के बाद उसने घटना का क्रम बताया। बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए तिरुवल्लुर सरकारी अस्पताल भेजा गया। महिला को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

### *अटल पेंशन योजना...*

बेंगलुरु में थीं, जहां वह मोदी सरकार द्वारा *प्रमुख सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम* के रूप में शुरू की गई अटल पेंशन योजना के फायदों की घोषणा कर रही थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि सिर्फ एक दिन बाद, यह सामने आया कि इस योजना के एक तिहाई ग्राहकों को अधिकारियों द्वारा उनकी *स्पष्ट* अनुमति के बिना योजना में नामांकित किया गया था। रमेश ने दावा किया कि ग्राहकों के लिए रिटर्न की राशि बहुत आकर्षक नहीं है क्योंकि यह एक निश्चित आय पेंशन है, जो बढ़ती कीमतों के साथ अपना मूल्य खो देती है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अटल पेंशन योजना एक बहुत ही खराब तरीके से तैयार की गई योजना है तथा यह एक कागजी शेर है जिसके लिए अधिकारियों को लोगों को धोखा देने और इसमें भाग लेने के लिए मजबूर करने की आवश्यकता पड़ती है। सीतारमण ने रमेश पर पलटवार करते हुए कहा कि *तथ्यों को छिपाने के लिए मौखिक कुतर्क का उपयोग करने वाले* रमेश या तो दुर्भावना से ग्रसित हैं या एक अच्छी पेंशन योजना को डिजाइन करने के बुनियादी सिद्धांतों से अनभिज्ञ हैं। वित्त मंत्री ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर पोस्ट किया कि अटल पेंशन योजना को सर्वोत्तम विकल्प के आधार पर डिजाइन किया गया है ताकि ग्राहक द्वारा (छोड़ने का) विकल्प नहीं चुनने तक स्वचालित रूप से प्रीमियम भुगतान जारी रहे। यह एक सुविचारित और लाभकारी सुविधा है जो ग्राहकों के सर्वोत्तम हित में है। उन्होंने कहा कि लोगों को हर साल योजना जारी रखने का निर्णय लेने के बजाय, छोड़ने का निर्णय लेना होगा, इससे उनमें से कई लोग सही निर्णय लेते हैं और अपनी सेवानिवृत्ति के लिए बचत करते हैं। सीतारमण ने कहा कि रमेश ने गारंटीकृत पेंशन योजना पर तथ्यों की जांच करने की जहमत नहीं उठाई। उन्होंने कहा कि मौजूदा ब्याज दरों और रिटर्न की परवाह किए बिना एपीवाई के तहत न्यूनतम रिटर्न भारत सरकार द्वारा कम से कम आठ प्रतिशत होने की गारंटी है। यह एक आकर्षक गारंटी वाला न्यूनतम रिटर्न है।

### *भारत माता की जय ...*

ने लगाए थे, इसलिए क्या इस नारे को त्याग देंगे। त्रिवेदी ने कहा कि पहली विभाजनकारी मानसिकता यही है कि ये भारत माता की जय और जय हिंद के नारे एक भारतीय ने लगाए, इन्हें ये नहीं दिखाई पड़ता है, उसमें हिंदू और मुसलमान दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि मैं कहना चाहूंगा कि ये नारे किसी हिंदू या मुसलमान ने नहीं बल्कि एक भारतीय ने लगाए थे। उन्होंने कहा कि सियासत के मकड़ जाल में इन लोगों ने भारत की एकता के प्रतीक उद्घोषों को सांप्रदायिकता का प्रतीक बनाने का प्रयास किया। कृपया भारत की एकता और भारत के गौरव के उद्घोषों के ऊपर विभाजनकारी राजनीति से परहेज करें। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया ज्यों-ज्यों आगे बढ़ती जा रही है, त्यों-त्यों अपनी हार को निश्चय देखते हुए इंडी अलायंस के नेताओं की निराशा, हताशा, कुंठा जहरीली जुबान के रूप में बाहर आ रही है। पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अनेक प्रकार के आपत्तिजनक, अभद्र, निंदनीय बयान दिए गए। अब भारत के अंदर विभाजनकारी व राष्ट्र की एकता पर आघात करने वाले बयानों तक आ गए हैं। उन्होंने कहा कि इस बात की संभावना है कि न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कायरतापूर्ण बयान देने के लिए ऊपर से एक राजनीतिक निर्देश दिया जा रहा है बल्कि देश के लोगों के बीच विभाजनकारी मानसिकता पैदा करने की हद तक जाया जा रहा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के प्रधानमंत्री को लेकर दिये गए बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि स्टालिन का यह बयान कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिलनाडु के लोगों के हित के लिए काम नहीं कर रहे हैं, न केवल प्रधानमंत्री मोदी का अनादर करने के मकसद से दिया गया बयान है बल्कि उनमें असुरक्षा की भावना का भी प्रतीक है। फिलहाल प्रधानमंत्री मोदी तमिलनाडु में सबसे लोकप्रिय नेता हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा है कि अपनी हार तय देखते हुए इंडी गठबंधन के नेताओं की हताशा कुंठा जहरीली जुबान के तौर पर बाहर आ रही है। पहले भी नरेंद्र मोदी के खिलाफ अनेक निंदनीय बयान दिए गए। ऐसा लगता है कि ये मोहब्बत की दुकान में किसी सियासी फरमान का हिस्सा है। कर्नाटक के एक कांग्रेस नेता शिवराज तंगदागी ने कहा है कि जो छात्र *मोदी-मोदी* के नारे लगा रहे हैं, उन्हें थप्पड़ मारना चाहिए। त्रिवेदी ने सवाल किया कि क्या लोकतंत्र ऐसे ही चलता है?

### *मणिपुर : युवती की ...*

कानून-व्यवस्था बरकरार रखने के लिए की गई है। किराये के जिस मकान में यह घटना हुई थी उसके मालिक ने 29 मई 2019 को उक्त परिसर में मृतका ए. एस. रेनगाम्फी का शव पड़ा पाया, जिसके बाद उसी दिन पूर्वाह्न 11 बजे उन्होंने पुलिस को सूचना दी थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत के कारण का पता नहीं चल सका था। मालवीय नगर पुलिस थाने में, अज्ञात आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाने) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। जांच मालवीय नगर अपराध शाखा को हस्तांतरित कर दी गई, और मृतका के रिश्तेदारों के अनुरोध पर मामले में आईपीसी की धारा 302 (हत्या) जोड़ी गई। बाद में, मृतका के दो रिश्तेदारों ने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया था। उच्च न्यायालय ने याचिका खारिज करते हुए कहा था कि ऐसा लगता है कि जांच एजेंसी ने बिना किसी पूर्वाग्रह के जांच की है और ऐसा कुछ भी नहीं सामने आया कि जांच को प्रभावित करने के लिए मकान मालिक राजकुमार और उनके करीबी रिश्तेदार अमित शर्मा किसी राजनीतिक नेता के संपर्क में थे। मृतका के करीबी रिश्तेदारों, अवगुंशी चिरमायो और थोटरेथेम लोंगपीनाओ ने उच्च न्यायालय के आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी, जिसने जांच की निगरानी के लिए 2019 में एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की। एसआईटी अपनी रिपोर्ट में इस निष्कर्ष पर पहुंची कि महिला ने दवा या जहर खाकर आत्महत्या की थी। हालांकि, *विसरा* रिपोर्ट में इसकी पुष्टि नहीं हुई। शीर्ष अदालत ने कहा कि 25 वर्ष की आयु में युवती के आत्महत्या करने की कोई वजह नजर नहीं आती है। न्यायालय ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा नहीं लगता है कि यह आत्महत्या का मामला है। अपराध स्थल पर खून सतह पर फैला हुआ था और चादर खून से सनी हुई थी। ऐसा लगता है कि यह हत्या का मामला है, इसलिए दोषियों को अवश्य पकड़ा जाना चाहिए। न्यायमूर्ति जे. के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को निरस्त कर दिया, जिसमें जांच को सीबीआई को हस्तांतरित करने का अनुरोध करने वाली याचिका को खारिज कर दिया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह पाया गया है कि अनसुलझे अपराध उन संस्थानों में लोगों का विश्वास कम कर देते हैं जिनकी स्थापना कानून-व्यवस्था बरकरार रखने के लिए की गई है। अपराध की जांच निष्पक्ष एवं प्रभावी होनी चाहिए। न्यायालय ने कहा कि उसका यह मानना है कि उपयुक्त जांच के लिए, और अपीलकर्ताओं के मन में किसी भी संदेह को दूर करने और वास्तविक दोषियों को न्याय के दायरे में लाने के वास्ते इस मामले को सीबीआई को सौंपने की जरूरत है। शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय के 18 मई 2018 के आदेश को निरस्त किया जाता है, जिसमें जांच सीबीआई को हस्तांतरित करने के मौजूदा अपीलकर्ताओं के अनुरोध को खारिज कर दिया गया था। न्यायालय ने कहा कि अपील स्वीकार की जाती है और हम निर्देश देते हैं कि सीबीआई विषय की जांच करे। मामला एसआईटी से सीबीआई को हस्तांतरित किया जाए। पीठ ने कहा कि गहन जांच के बाद, सीबीआई अपनी पूर्ण जांच रिपोर्ट या आरोपपत्र संबद्ध अदालत में यथाशीघ्र जमा करे।

### *नेपाल के मेयर ...*

अपील जारी करते हुए अपनी बेटी को ढूंढने में मदद करने का आग्रह किया है। उन्होंने फेसबुक पोस्ट पर लिखा है कि उनकी बड़ी बेटी आरती हमाल गोवा में ओशो ध्यान शिविर में शामिल होने गई थी, लेकिन दो दिनों से उससे संपर्क नहीं हो पा रहा है। उन्होंने गोवा सरकार और गोवा पुलिस से अपनी बेटी को ढूंढने में मदद करने की अपील की है। उन्होंने यह भी बताया है कि उनकी छोटी बेटी और दामाद उसे ढूंढने के लिए गोवा पहुंच चुके हैं। दो दिनों से लापता आरती को ढूंढने के लिए मेयर हमाल ने काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से गोवा पुलिस से संपर्क किया है। उन्होंने बताया कि बेटी की अंतिम लोकेशन गोवा की जोरबा वाइब आस्विन ब्रिज है। दूतावास की पहल के बाद गोवा पुलिस ने गुमशुदगी का रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

## रंगिया में युवती ने की आत्महत्या

**रंगिया ( निसं )।** होली के आनंद उल्लास के बीच रंगिया पीतांबर हाटबजाली में एक किशोर लड़की फंदा लगाकर आत्महत्या कर लेती है। लोगों ने शक व्यक्त किया है कि उसने प्रेम प्रसंग के तहत आत्महत्या की है। घटना के विवरण के अनुसार, रंगिया पीतांबर हाटबजली गांव की एक किशोरी बनस्मिता दास को उसकी मां ने कई बार फोन किया, लेकिन फोन पर कोई जवाब नहीं मिला और उपायहिन होकर एक स्थानीय व्यक्ति से संपर्क किया। बाद में वह शख्स लड़की के घर पहुंचा तो देखा कि लड़की को फंदे से झूलते देखा। इसके बाद चारों ओर हाहाकार मच गया। बाद में रंगिया पुलिस मौके पर पहुंची। मालुम हो कि मृतक बनस्मिता दास पिछले कुछ महीनों से एक महिला नाम समूह के साथ घूम रही थी। स्थानीय लोगों को संदेह है कि किशोरी ने प्रेम प्रसंग के कारण यह मार्ग चुना था।

# प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को शक्तिशाली बनाया : सोनोवाल

**गुवाहाटी ( हिंस )।** निवर्तमान केंद्रीय मंत्री तथा डिब्रूगढ़ लोकसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी सर्बानंद सोनोवाल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को मजबूत बनाया है। मंगलवार को डिब्रूगढ़ में भाजपा प्रत्याशी के रूप में नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद सोनोवाल मीडिया से बातचीत कर रहे थे। सोनोवाल ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की 140 करोड़ जनता को सम्मान से जीने का हक मिला है। उन्होंने सभी वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए कार्य किया है। सोनोवाल ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में विकास का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि आसन्न लोकसभा चुनाव में राज्य के सभी 14 सीटों पर जीत हासिल करने के लिए भाजपा तथा एनडीए के सभी घटक दल मिलकर कार्य कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने सरकार द्वारा किए गए कुछ कार्यों का संक्षेप में उल्लेख किया। इससे पूर्व सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ जिला के आयुक्त के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन पत्र दाखिल करने से पूर्व आयोजित एक चुनावी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने समर्थकों से नामांकन पत्र दाखिल करने जाने के संबंध में बताया। इस कार्यक्रम में सोनोवाल के साथ प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष भवेश कलिता, असम गण परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष तथा राज्य के स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत समेत असम सरकार के कई मंत्री, भाजपा के विधायक एवं पार्टी के अन्य नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे। सर्बानंद सोनोवाल रैली करते हुए कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे। डिब्रूगढ़ क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों से रैलियां निकालकर पहुंचे लोगों ने सर्बानंद सोनोवाल के समर्थन में नारे लगाए। इधर, विपक्षी गठबंधन की ओर से असम जातीय परिषद के उम्मीदवार लुरीन ज्योति गोगोई ने भी बड़ी रैली के साथ पहुंचकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

## राजस्थान रॉयल्स 15 और 19 मई को गुवाहाटी में खेलेगी आईपीएल मैच

**गुवाहाटी ( हिंस )।** इंडियन प्रीमियर लीग के पहले सीजन में राजस्थान रॉयल्स दो मैच गुवाहाटी में खेलेगी। गुवाहाटी के बरसापाड़ा क्रिकेट स्टेडियम में पहला मैच 15 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ, जबकि दूसरा मैच कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 19 मई को खेलेगी। विश्व क्रिकेट में आईपीएल से असम और पूर्वोत्तर को पहली बार पिछले साल जोड़ा गया था। राजस्थान रॉयल्स के चेयरमैन असम के रंजीत बरठाकुर के कारण असम को गुवाहाटी में आईपीएल मैच की मेजबानी करने का मौका मिला है। राजस्थान रॉयल्स ने पिछले आईपीएल सीजन में बरसापाड़ा स्टेडियम में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ दो घरेलू मैच खेले थे। रंजीत बरठाकुर ने कहा कि पिछले सीजन में दो मैचों की सफल मेजबानी के बाद हम खुश हैं और इस सीजन में आईपीएल के दो मैच पूर्वोत्तर में होंगे। हमें उम्मीद है कि इस बार भी खेल प्रेमियों का शत-प्रतिशत सहयोग देखने को मिलेगा। उन्होंने असम क्रिकेट संघ के प्रति आभार जताया, जिन्होंने बरसापाड़ा स्टेडियम में मैच खेलने की अनुमति दी। इस बार कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स की टीम गुवाहाटी आएगी। असम के खेल जगत के लिए ये दो खास दिन होंगे। तीनों टीमों के पास विश्व क्रिकेट के सितारे हैं।

## तुरा लोस क्षेत्र से अगाथा ने किया नामांकन दाखिल

**शिलांग ( हिंस )।** नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) की उम्मीदवार अगाथा संगमा ने मंगलवार को मेघालय के तुरा लोकसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया। कोनराद संगमा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि तुरा लोकसभा क्षेत्र से हमारी पार्टी की उम्मीदवार अगाथा संगमा ने आज आगामी चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। हमें उनके नेतृत्व पर भरोसा है और हमें विश्वास है कि वह हमारे लोगों के हित के लिए हमारे पिता पूर्णो एगिटोक संगमा की विरासत को जारी रखेंगी। इससे पहले मेघालय के मुख्यमंत्री और नेशनल पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष कोनराद के संगमा ने राज्य की दोनों लोकसभा सीटों के लिए एनपीपी उम्मीदवारों को समर्थन देने के भाजपा के फैसले का स्वागत किया और दावा किया कि एनडीए के सहयोगी संसदीय चुनावों के लिए अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड और मणिपुर में एक साथ आ रहे हैं।

## असम मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह 31 मार्च को

**गुवाहाटी।** मिथिला सांस्कृतिक समन्वय समिति, असम के तत्वावधान *असम मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह* अगामी 31 मार्च 2024 को अपराह्न 3.30 बजे से गुवाहाटी के महात्मा गांधी रोड स्थित आईटीए सेंटर, माछखोवा में मनाया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य अतिथि असम साहित्य सभा के अध्यक्ष एवं असम के प्रख्यात विद्वान पद्मश्री डॉ. सूर्यकांत हजारिका होंगे। कर उद्घाटन करता उमेश कुमार आईपीएस पूर्व डीजीपी असम होंगें। मुख्य वक्ता प्रो डॉ. देवशंकर नवीन जे एन यू होंगे। अमरेश कुमार झा जेनरल मैनेजर एस बि आई नार्थ ईस्ट सर्कल सम्मानित अतिथि होंगे। आमंत्रित अतिथि के रूप में विवेकानंद झा पूर्व अध्यक्ष चेतना समिति, पटना एवं उमेश कुमार वर्तमान सचिव चेतना समिति पटना मंचस्थ होंगे। सांस्कृतिक महासभा असम पवित्र कुमार शर्मा तथा दुलाल बोरा सीएमडीएनई भारत 24 स्थानीय अतिथि होंगे। इस सुअवसर समिति की ओर से भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी मैथिली सेवक सम्मान 2023 मैथिली साहित्यकार श्री लक्ष्मण झा सागर कोलकाता को, भारतरत्न डॉ. भूपेन हजारिका सांस्कृतिक सम्मान 2023 मिथिलारत्न संस्कृतिकर्मी श्री कुंज बिहारी मिश्रा दरभंगा को तथा राजकमल चौधरी मैथिली साहित्य सम्मान 2023 प्रो डॉ. देवशंकर नवीन भाषाविद, जेएनयू नई दिल्ली को दिया जाएगा। कार्यक्रम की समाप्ति सांस्कृतिक कार्यक्रमों से किया जाएगा जिसमें स्थानीय कलाकार द्वारा बिहू/सत्रिया नृत्य एवं मिथिला से ऋषव भारद्वाज, मिथिलारत्न कुंज बिहारी मिश्र अपनी सांस्कृतिक टोली के साथ प्रस्तुत करेंगे। आप सभी मिथिला तथा मिथिला स्नेहीजन से निवेदन है कि सपरिवार कार्यक्रम में उपस्थित होकर आनंदित हों।

## पूसीरे के आरपीएफ ने छह लोगों को बचाया

### फरवरी में बचाए गए 41 नाबालिग

**गुवाहाटी ( हिंस )।** पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने 22 से 25 मार्च तक पूसीरे के क्षेत्राधिकार के अधीन विभिन्न ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर जारी जांच अभियान के दौरान एक लड़का सहित 04 नाबालिगों को सफलतापूर्वक बचाया और एक लड़की को चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बताया कि फरवरी के दौरान, पूसीरे की आरपीएफ ने 41 नाबालिग लड़कों एवं लड़कियों और 08 महिलाओं का बचाव किया। बचाए गए बच्चों/महिलाओं को संबंधित चाइल्ड लाइन/एनजीओ, माता-पिता एवं जीआरपी को सौंप दिया गया। 24 मार्च की एक घटना में, न्यू जलपाईगुड़ी की आरपीएफ और जीआरपी टीम ने संयुक्त रूप से भागे हुए दो नाबालिगों को न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन से बचाया। बचाए गए नाबालिगों को उनकी सुरक्षित अभिरक्षा के लिए

चाइल्ड वेलफेयर कमिटी, न्यू जलपाईगुड़ी को सौंप दिया गया। उसी दिन, डिमापुर की आरपीएफ टीम ने ट्रेन संख्या 15603 (गुवाहाटी - लीडो इंटरसिटी एक्सप्रेस) में यात्रा कर रही एक लड़की को डिमापुर रेलवे स्टेशन पर चिकित्सा सहायता प्रदान की। बाद में उसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल, डिमापुर (नगालैंड) में भर्ती कराया गया। 22 मार्च की घटनाओं में, गुवाहाटी की आरपीएफ टीम ने एक लड़के के साथ भागी एक नाबालिग लड़की को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से बचाया। उसी दिन, न्यू तिनसुकिया की आरपीएफ टीम ने भागी हुई एक नाबालिग लड़की को बरडुबी रेलवे स्टेशन से बचाया। बचाए गए व्यक्तियों को सुरक्षित अभिरक्षा के लिए जीआरपी/गुवाहाटी और आश्रय गृह/तिनसुकिया को सौंप दिया गया। ट्रेनों और रेल परिसरों में देखभाल और संरक्षण के जरूरतमंद बच्चों से संबंधित मामले में निवारक उपाय किए जा रहे हैं। रेल यात्रियों की सुरक्षा और अपराधियों के खिलाफ आरपीएफ द्वारा अनवरत कार्रवाई की जाती है और मानव तस्करी में संलिप्त संदिग्ध व्यक्तियों के साथ-साथ बिना उचित अभिभावक, संदिग्ध तरीके से आवाजाही, अकेले यात्रा करने वाले बच्चों आदि मामलों के प्रति सतर्क रहती है।

## रंगिया में हैंडपंप चोरी करने वाला गिरफ्तार

**रंगिया ( निसं )।** रेलवे स्टेशन के पास चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। इस बार चोर पानी के हैंडपंप (दमकल) को अपने साथ ले गए। जिसका उपरी का हिस्सा तालाब में छिपा मिला। घटना की सूचना रंगिया पुलिस को देने पर बीरम नाम के चोर को जनता की मदद से बड़ी मुस्तैदी से गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल घटना में शामिल कई अन्य चोरों की तलाश में रंगिया थाने में पूछताछ की जा रही है। लोगों का आरोप है कि कुछ किराएदारों के किराए के लालच के कारण क्षेत्र में चोरों का खतरा दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, जो चंद रुपये के लालच में बिना कोई विचार किए ट्रेन से आए लोगो को किराये पर घर देते रहे हैं।

## रंगिया में व्यापक कार्यक्रमों के साथ मना होली का त्यौहार

**रंगिया ( विभास )।** रंगिया में *होली* का त्यौहार बहुत ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रंगारंग और आनंदमय माहौल में शहर के श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर परिसर के अलावा तिनाली स्थित सिकरिया कॉम्प्लेक्स में मारवाड़ी समुदाय के लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कर होली उत्सव मनाया। इस बीच चंग की धमाल और होली गीतों की धुन पर युवाओं ने भारी उत्साह के साथ एक दुसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दी और बड़ों से आशीर्वाद लिया। एक दूसरे को रंग लगाने का दौर सोमवार की सुबह से शुरू हुआ जो कि दोपहर बाद तक जारी रहा। रंग-गुलाल लगाने के लिए बच्चे, युवा-युवतियां टोलियां बनाकर अपने घरों से निकले और एक दूसरे को रंग-गुलाल लगायी। महिलाओ को भी अपने परिवार और अपनों के बीच रंग, गुलाल की होली खेलते देखा गया। इसके अलावा मारवाड़ी समुदाय की महिलाओं ने राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में होली कार्यक्रम आयोजित किया और नाच गाकर एक दूसरे को रंग लगाकर होली मनाई। मारवाड़ी समाज के लोगों ने एकसाथ मिलकर श्री श्री राधाकृष्ण

मंदिर प्रांगण में सुबह 10 बजे रंगिया नरेश और श्री श्याम संग होली खेली। होली कार्यक्रम के अंतर्गत बजाज परिवार द्वारा श्री श्याम बाबा का वार्षिक जागरण, मुकेश सिकरिया व उनके परिवार द्वारा मिल रोड स्थित उनके आवास पर होली की मस्ती चंग की धमाल के साथ कीर्तन और भोपाल शर्मा द्वारा शांतिपूर स्थित उनके निवास पर चंग की धमाल का आयोजन किया गया। इसके अलावा होली के मौके पर रंगिया महिला मंडल द्वारा गत 18 मार्च, सोमवार को स्थानीय गोयनका सत्संग हॉल प्रांगण में होली उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया। *राधाकृष्ण संग होली उत्सव* नामक इस कार्यक्रम में महिलाएं और बच्चों ने राजस्थानी परंपरागत वेशभूषा के साथ कार्यक्रम में उपस्थित होकर लोक संगीत, भक्ति संगीत, होली गीत, नृत्य, नाटिका, प्रश्नोत्तरी, चुटकुले आदि से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मारवाड़ी समाज की महिलाओं, लड़कियों और बच्चों सहित बुजुर्ग महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए अपना उत्साह दिखाया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और भजनों के साथ दोपहर 3.30 बजे प्रारंभ किया गया। इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ और कार्यक्रम के अंतर्गत रंगो, फूलों और इत्र से भगवान श्री कृष्ण संग होली खेली गई। वहीं संध्या 6.00 बजे से गुवाहाटी से आयी आमंत्रित अतिथी कलाकार माधुरी सरावगी ने अपनी मधुर आवाज में होली के भजनों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को ओर भी अधिक रोमांचक बनाया। आरती और प्रसाद के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। होली कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को मारवाड़ी समाज के लोगों द्वारा शुभ मुहूर्त में मंत्रोच्चार के साथ होलिका दहन किया गया। इस दिन महिलाओ ने समूह में होली के गीत गाते हुए पूजन किया और सभी घरों में विभिन्न तरह के पकवान बनाए गए।

## महेश योग समिति का पारिवारिक रंगोत्सव सोल्लास संपन्न

**गुवाहाटी ( विभास )।** होली के अवसर पर महेश योग समिति ने महेश्वरी भवन में योग समिति के सदस्य व उनके पारिवारिक सदस्यों के बीच होली खेली। इस अवसर पर महेश योग समिति के सह आचार्य मदनमोहन मल्ल, शंकर बिल के अलावा प्रेम खजांची, अशोक अग्रवाल और ताराचंद ठोलिया ने होली के गीत गाकर सभी सदस्यों को दुपट्टा एवं साफा पहना कर सम्मान किया। समिति के संयोजक लूणकरण मूंदड़ा ने बताया कि समिति का यह कार्यक्रम पारिवारिक रूप से शालीनता और पारंपरिक रूप से मनाया जाता है। इस अवसर पर माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष सीताराम बिहानी, कल्याण भवन योग समिति दिसपुर, विवेकानंद केंद्र उजान बाजार व पलटन बाजार शाखा, आस्था प्रेस्टीज योग समिति,

केंद्रीय विद्यालय योग समिति भांगागढ, शुभम एलिट के सदस्य को भी रंग गुलाल लगाकर दुपट्टा व सफा से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय कल्याण आश्रम के उपाध्यक्ष संजीव भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में महेश योग समिति के पूर्व संयोजक गिरधारी लाल झंवर, कुंज बिहारी काबरा, बनवारी लाल मुंदडा, कन्हैया लाल कंकणी के अलावा माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष सीताराम बिहानी, सचिव सुरेंद्र लाहोटी, राजकुमार सोमानी, धनराज झंवर के अलावा काफी गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

## सिख प्रतिनिधि बोर्ड पूर्वी क्षेत्र, धुबड़ी साहिब की नई कार्यकारणी का पुनर्गठन

**नगांव ( निसं )।** सिख प्रतिनिधि बोर्ड पूर्वी क्षेत्र, धुबड़ी साहिब के चुनाव, धुबड़ी गुरुद्वारा साहिब प्रांगण में गत दिनो संपन्न हुए। जिसमें बोर्ड के अध्यक्ष, (प्रधान) के लिए गुवाहाटी के सरदार दलजीत सिंह सेठी और जोरहाट के सरदार राजगुरमीत सिंह पदम महाससिव पद के लिए निर्विरोध चुने गए। बोर्ड की संपूर्ण कार्यकारणी के गठन हेतु गत 24 मार्च को गुवाहाटी गोपीनाथ गुरुद्वारा साहिब प्रांगण में सरदार दलजीत सिंह सेठी की अध्यक्षता में बोर्ड की सभा गुरुद्वारा फैंसी बाजार के सौजन्य से आयोजित हुई। उत्तरपूर्वांचल की लगभग सभी गुरुद्वारा प्रबंधक समितियो के मनोनीत सदस्यों ने इस सभा में उपस्थित हुए तथा अपने अपने विचार व्यक्त किए। गहन विचार विमर्श के बाद बोर्ड की पूर्णनांक कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। बोर्ड की और से सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यकारी सदस्यों, बोर्ड के अध्यक्ष एवं महासचिव ने धुबड़ी गुरुद्वारा साहिब के विकास कार्यों की समीक्षा की तथा अन्य कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंच का संचालन नवनिर्वाचित उपसभापति सरदार सर्वजीत सिंह मरवाह ने बखूबी किया। इसके अलावा कार्यकारी सभापति के रूप में सरदार देवेंद्र सिंह सेहमी, संयुक्त कार्यकारी सभापति सरदार रविंद्र सिंह ओबेराय एवं सरदार बलबीर सिंह भमराह को कोषाध्यक्ष की जिमेवारी सौंपी गई। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी आगामी 27 अप्रैल से 29 अप्रैल को श्री गुरु तेग बहादुर जी का प्रकाश पर्व मनाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर फैंसी बाजार श्री गुरू सिंह सभा की प्रधान सरदारनी नीरू सेठी ने सभी उपस्थित सदस्यों का अभिवादन तथा धन्यवाद ज्ञापन दिया। अंत में बोर्ड के महासासिव सरदार राजगुरमीत सिंह ने सभी पदाधिकारियों को निष्ठा के साथ अपनी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह करने का आह्वान किया। उक्त आशय की जानकारी बोर्ड के नवनियुक्त जनसंपर्क अधिकारी सरदार हरदर्शन सिंह ने दी।

## मारवाड़ी सम्मेलन, गुवाहाटी शाखा का होली मिलन समारोह आयोजित

### सांस्कृतिक संध्या में समाज के बच्चों ने दिखाएं अपने जलवे

**गुवाहाटी।** संपूर्ण मारवाड़ी समाज को मोतियों की तरह एक सूत्र में पिरोए रखने के उद्देश्य से मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा की ओर से इस वर्ष भी होली मिलन समारोह का शानदार आयोजन किया गया। आठगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला प्रांगण में मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा की ओर से पिछले कई दशकों से चलती आ रही सामाजिक सौहार्द, आपसी भाईचारे कि यह परंपरा आज भी जारी हैं, जहां छोटे बड़ों से आशीर्वाद लेते हैं और हम उम्र के लोग एक दूसरे को शुभकामनाए देकर उनके बेहतर स्वस्थ व सकुशलता की कामना करते हैं। मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा की ओर से आयोजित होने वाला यह आयोजन संपूर्ण मारवाड़ी समाज को न केवल राजस्थानी लोकगीत, कला व संस्कृति से जोड़े रखता है, बल्कि आज की युवा पीढ़ी में संस्कार गढ़ने का कार्य भी कर रहा है। रुक रुक कर हो रही रिमझिम बरसात के बीच सोमवार की शाम गौशाला प्रांगण में होली मिलन समारोह में बड़ी संख्या में समाज बंधु पहुंचे और एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। वही शाम को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन वायोवृद्ध समाजसेवी शंकरलाल गोयनका, सम्मानित अतिथि के रूप में शाखा के सलाहकार अशोक धानुका, कैलाश लोहिया, ऋषि गुप्ता, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, मंडलिया उपाध्यक्ष सुशील गोयल महिला शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। शाखा अध्यक्ष शंकर बिरला ने अपने स्वागत संबोधन में सभी समाज बंधुओ का हार्दिक अभिनंदन किया। वही प्रांतिया अध्यक्ष ने भी अपने संबोधन में सभी को होली की शुभकामनाएं दी एवं 30 मार्च को आयोजित होने वाले राजस्थान दिवस कार्यक्रम में सभी की उपस्थिति की कामना की। इस दौरान उपाध्यक्ष प्रदीप भुवालका के अथक प्रयासों से तैयार की जा रही मारवाड़ी समाज के रीति रिवाज से संबंधित पुस्तिका की जानकारी भी दी गई। तत्पश्चात महिला शाखा के सहयोग से समाज के बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की जबरदस्त प्रस्तुति दी गई, जिसे देखने के लिए लोग रिमझिम बरसात के बावजूद अपने-अपने स्थान पर बैठे रहे। बरसात के बावजूद सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी लोगों की भारी उपस्थिति आयोजन की सफलता को बयां कर रही थी। सांस्कृतिक संध्या का आयोजन रश्मि जैन, कनक सेठिया, मंजू पाटनी, सुमन शर्मा व संतोष काबरा की देखरेख तथा गायत्री प्रजापत द्वारा कोरियोग्राफी की गई थी। सांस्कृतिक संध्या का संचालन महिला शाखा की अध्यक्ष संतोष शर्मा द्वारा किया गया। जनसंपर्क अधिकारी नरेंद्र सोनी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक माखनलाल अग्रवाल की देखरेख में आयोजित होली मिलन समारोह एवं सांस्कृतिक संध्या को सफल बनाने में मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के सभी पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा। कोषाध्यक्ष सूरज सिंघानिया ने बताया कि कार्यक्रम के अंत में मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के सचिव अशोक सेठिया ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

संपादकीय

# स्वतंत्र जांच जरूरी

स्वतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव व आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला नया नहीं है। खासकर चुनावी वेला में तो यह स्थिति चरम पर होती है। लेकिन इस टकराव का प्रभाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया के स्वाभाविक प्रभाव को बाधित करने वाला नहीं होनी चाहिए। युद्ध की तरह से राजनीति के भी अपने नियम होते हैं और मुकाबले के लिये बराबर का अवसर भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। साथ ही यह जरूरी है कि सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध को दूर करने के लिये संवाद की प्रक्रिया भी निरंतर चलती रहनी चाहिए, ताकि अनावश्यक गतिरोध को टाला जा सके। बीते गुरुवार को देश के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पार्टी की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में आरोप लगाए गए कि खाते फ्रीज करके पार्टी को आर्थिक रूप से पंगु बनाने की कोशिश सत्ता पक्ष की ओर से की जा रही है। यूं तो कांग्रेस पिछले पांच वर्षों में लगातार सत्ता पक्ष की रीतियों-नीतियों पर हमलावर रही है, लेकिन फिलहाल कांग्रेस द्वारा लगाए आरोपों की गंभीरता पर भी विचार किया जाना चाहिए। वैसे भी किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनावी प्रक्रिया को सुचारू और विश्वसनीय बनाने के लिये विपक्षी दलों को मुकाबले का बराबर अवसर तो मिलना ही चाहिए। निश्चित रूप से इससे चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता व प्रामाणिकता को संबल मिलता है। कांग्रेस का आरोप है कि मुख्य विपक्षी पार्टी को आयकर विभाग की कार्रवाई से वित्तीय संकट की ओर धकेला जा रहा है। हालांकि, कांग्रेस पार्टी की मुद्दे को लेकर गंभीरता इस बात से भी उजागर होती है कि हाल-फिलहाल यह पहला अवसर है कि पार्टी के तीन शीर्ष नेता कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी व राहुल गांधी एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में नजर आए। विशेष तौर पर ऐसी स्थिति में जब देश में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद चुनावी प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है कांग्रेस के आक्षेप को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। निश्चित रूप से किसी भी लोकतंत्र की खूबसूरती इस बात में है कि सत्ता पक्ष विपक्षी राजनीतिक दलों को बराबर का मौका उपलब्ध कराये, जिससे चुनावी मुकाबला न्यायसंगत बना रह सके। यदि मुख्य विपक्षी दल यह आरोप लगाए कि ऐन चुनाव के वक्त पार्टी के खाते फ्रीज करके उसके चुनाव लड़ने और प्रचार करने में बाधा उत्पन्न हुई तो यह स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिये अच्छा नहीं है। निश्चित रूप से कांग्रेस के आरोपों की स्वतंत्र जांच की जानी चाहिए। पार्टी का कहना है कि खाते फ्रीज होने से पार्टी के समक्ष उत्पन्न आर्थिक तंगी से पार्टी न विज्ञापन दे सकती है और न ही अपने नेताओं के लिये हवाई टिकट बुक करा पा रही है। उसका यह भी कहना है कि उसे रैली आयोजित करवाने में परेशानी हो रही है। हालांकि, कांग्रेस के आरोपों से इतर सरकार व आयकर विभाग के अधिकारियों की अपनी दलीलें हैं। उल्लेखनीय है कि गत 13 मार्च को दिल्ली हाईकोर्ट ने आईटीएटी के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें सौ करोड़ से अधिक के बकाया कर की वसूली के लिये कांग्रेस पार्टी को आयकर विभाग से जारी नोटिस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया गया था। हालांकि, हाईकोर्ट ने पार्टी को तब नये स्थगन आवेदन के साथ आईटीएटी का रुख करने की स्वतंत्रता दी थी। ऐसे में इस मुद्दे पर अंतिम राय बनाने से पहले सभी पक्षों के तर्कों पर विचार भी जरूरी है। सत्तारूढ़ दल के प्रवक्ता ने इन आरोपों को पार्टी की हताशा का परिणाम बताया है। यह भी कि कांग्रेस के आरोपों से भारतीय लोकतंत्र की छवि पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। लेकिन इसके बावजूद यह तथ्य निर्विवाद है कि किसी भी लोकतंत्र में स्वतंत्र चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कारकों को अनुचित ही कहा जाएगा। इससे चुनावों की पारदर्शिता व विश्वसनीयता पर आंच आ सकती है।

युद्ध की तरह से राजनीति के भी अपने नियम होते हैं और मुकाबले के लिये बराबर का अवसर भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। साथ ही यह जरूरी है कि सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध को दूर करने के लिये संवाद की प्रक्रिया भी निरंतर चलती रहनी चाहिए, ताकि अनावश्यक गतिरोध को टाला जा सके। बीते गुरुवार को देश के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पार्टी की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में आरोप लगाए गए कि खाते फ्रीज करके पार्टी को आर्थिक रूप से पंगु बनाने की कोशिश सत्ता पक्ष की ओर से की जा रही है। यूं तो कांग्रेस पिछले पांच वर्षों में लगातार सत्ता पक्ष की रीतियों-नीतियों पर हमलावर रही है, लेकिन फिलहाल कांग्रेस द्वारा लगाए आरोपों की गंभीरता पर भी विचार किया जाना चाहिए। वैसे भी किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनावी प्रक्रिया को सुचारू और विश्वसनीय बनाने के लिये विपक्षी दलों को मुकाबले का बराबर अवसर तो मिलना ही चाहिए। निश्चित रूप से इससे चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता व प्रामाणिकता को संबल मिलता है। कांग्रेस का आरोप है कि मुख्य विपक्षी पार्टी को आयकर विभाग की कार्रवाई से वित्तीय संकट की ओर धकेला जा रहा है।

### भारत में दस अंकों का सुधार हुआ है, फिर भी भारत के लिये आश्चर्यकारी एवं विचारणीय है

# खुशहाल समाजों की रैंकिंग से भारत भ्रमित न हो

ललित गर्ग

143 देशों के विश्व खुशहाली रैंकिंग में भारत 126वें स्थान पर रहा है जिसमें फिनलैंड ने लगातार छठीं बार सर्वोच्च स्थान पाया है। यह बात भी गौर करने की है कि भारत में दस अंकों का सुधार हुआ है, फिर भी भारत के लिये आश्चर्यकारी एवं विचारणीय है। फिनलैंड को दुनिया का सबसे खुशहाल देश करार दिया गया है, पर गौर कीजिए, वहां आबादी सिर्फ 56 लाख है। मतलब, इस देश की चुनौतियां बहुत कम हैं। धार्मिक वातावरण ऐसा है कि विद्वेष की ज्यादा गुंजाइश नहीं है। छोटा राष्ट्र होने की वजह से सरकारों के सामने समस्याएं कम है। अतः फिनलैंड की स्थिति अच्छी है, पर उसकी तुलना भारत जैसे 140 करोड़ आबादी वाले देश से कैसे हो सकती है? यह बहस का विषय है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रायोजित इस वार्षिक रिपोर्ट में नॉर्डिक देशों ने 10 सबसे खुशहाल देशों में अपना स्थान बनाए रखा है। फिनलैंड के बाद डेनमार्क, आइसलैंड, स्वीडन ने शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। इन सभी देशों में समाज समस्यामुक्त एवं काफी सुलझा हुआ है और विविधता वहां ज्यादा समस्याएं पैदा नहीं करती है। देखने की बात है कि खुशहाली की रिपोर्ट विगत एक दशक से भी ज्यादा समय से जारी हो रही है और पहली बार अमेरिका और जर्मनी जैसे विकसित देशों को शीर्ष 20 देशों में स्थान नहीं मिला है। पाकिस्तान पिछली बार 108वें स्थान पर था, इस बार 122वें पर आ गया है, पर तब भी भारत से चार पायदान ऊपर है। जिस देश में खूब महंगाई है, जहां की जनता त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रही है, जहां धार्मिक उन्माद व्यापक है, जो आतंकवाद को प्रोत्साहन देता है, वह देश भी अगर हमसे खुशहाल है, तो ऐसी खुशहाली मापने के तरीकों पर विचार होना चाहिए। ऐसा प्रतीत होता है कि खुशहाली को तय करने के पैमानों में अवश्य ही कोई पूर्वाग्रह या आग्रह है। क्योंकि ऋण की गुहार लगाता एवं त्राहिमाम करता पाकिस्तान को 122वें स्थान की रैंकिंग देना विडंबनापूर्ण एवं विसंगतिमय हैं, जो इस सूचकांक के महत्व को घटा देती हैं। जो दुनिया के खुश देशों के आकलन में त्रुटि की पूरी संभावनाएं होने को दर्शाता है। अनेक सवाल खड़े करती है यह खुशहाल देशों की रैंकिंग। यह विडंबना ही है कि धार्मिक पाबंदियों वाला कुवैत दुनिया का 13वां सबसे खुशहाल देश है। ऐसी अतार्किक सूची देखकर अफसोस एवं आश्चर्य भी होता है और चिंता भी होती है। क्या खुशहाली को धार्मिक और सामाजिक

धार्मिक वातावरण ऐसा है कि विद्वेष की ज्यादा गुंजाइश नहीं है। छोटा राष्ट्र होने की वजह से सरकारों के सामने समस्याएं कम है। अत: फिनलैंड की स्थिति अच्छी है, पर उसकी तुलना भारत जैसे 140 करोड़ आबादी वाले देश से कैसे हो सकती है? यह बहस का विषय है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रायोजित इस वार्षिक रिपोर्ट में नॉर्डिक देशों ने 10 सबसे खुशहाल देशों में अपना स्थान बनाए रखा है। फिनलैंड के बाद डेनमार्क, आइसलैंड, स्वीडन ने शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। इन सभी देशों में समाज समस्यामुक्त एवं काफी सुलझा हुआ है और विविधता वहां ज्यादा समस्याएं पैदा नहीं करती है। देखने की बात है कि खुशहाली की रिपोर्ट विगत एक दशक से भी ज्यादा समय से जारी हो रही है और पहली बार अमेरिका और जर्मनी जैसे विकसित देशों को शीर्ष 20 देशों में स्थान नहीं मिला है।

स्वतंत्रता के आधार पर ज्यादा नहीं देखा जाना चाहिए? खुशहाली को केवल आर्थिक समृद्धि और संसाधनों की अधिकता में घटाकर देखना सही नहीं है। खुशहाली की रैंकिंग को देखकर भारत को कतई भ्रमित नहीं होना चाहिए। एक और विडंबना देखिए, निर्मम युद्ध लड़ रहा इजरायल पांचवां सबसे खुशहाल देश है! पीड़ति फलस्तीन 103वें स्थान पर है, तो रूस 72वें स्थान पर और यूक्रेन 105वें स्थान पर। ये देश युद्ध के बावजूद भारत से ज्यादा खुशहाल हैं। पता नहीं, इस रैंकिंग पर कितना भरोसा किया जाए? जहां तक भारत का सवाल है, खुशहाली के सभी पैमानों पर हमें अपने प्रयास बढ़ाने की जरूरत है। एक बड़ा सवाल यह भी है कि हम प्रसन्न समाजों की सूची में क्यों नहीं अव्वल आ पा रहे हैं? यह सवाल सत्ता के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन करने का अवसर दे रहा है, वहीं नीति-निर्माताओं को भी सोचना होगा कि कहां समाज निर्माण में त्रुटि हो रही है कि हम लगातार खुशहाल देशों की सूची में सम्मानजनक स्थान नहीं बना पा रहे हैं। भारत सरकार इस रिपोर्ट को कितनी गंभीरता से लेती है, यह देखने वाली बात है। भारत में खुशहाली को बढ़ावा देने में यहां की जनसंख्या सबसे बड़ी बाधा है। भारत के अल्पसंख्यक समुदायों की कट्टरता एवं संकीर्णता भी खुशहाल समाज निर्माण की बड़ी बाधा है। भारत जैसे विशाल और असमान विकास वाले देश के लिए 126वां स्थान कितना मायने रखता है? भारत में कई तरह का भारत है, एक अमीर व खुशहाल भारत है, तो उसमें एक गरीब भारत भी है। गरीब भारत भी विकास कर रहा है, लेकिन आबादी इतनी ज्यादा है कि अभी देश को समग्रता में खुशहाल देशों में अव्वल स्थान बनाने में वक्त लगेगा। सबसे खुशहाल देश फिनलैंड की आबादी महज 56 लाख है, उसके लिए विकास आसान है। भारत के मुम्बई, दिल्ली, कोलकता शहर में इसमें कहीं ज्यादा लोग रहते हैं। वैसे भी खुशी महसूस करना व्यक्ति के खुद की सोच पर निर्भर करता है। इसलिये प्रश्न है कि हमारी खुशी का पैमाना क्या हो? अधिकतर लोग छोटी-छोटी जरूरतें पूरी होने को ही खुशी मान लेते हैं। इससे उन्हें उस पल तो संतुष्टि मिल जाती है, उनका मन खिल जाता है। लेकिन यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिकती, स्थायी नहीं होती। इच्छा पूरी होने के साथ ही उनकी खुशी भी कमजोर होने लगती है। खुशी एवं प्रसन्नता हम सबकी जरूरत है, लेकिन प्रश्न है कि क्या हमारी यह जरूरत पूरी हो पा रही है, ताजा आकलन से तो यही सिद्ध हो रहा है कि हम खुशी एवं प्रसन्नता के मामले में लगातार पिछड़ रहे हैं। विडम्बनापूर्ण स्थिति तो यह है कि हमारा भारतीय समाज एवं यहां के लोग अपने ज्यादातर पड़ोसी समाजों से कम खुश है। खुशहाली की रिसर्च में खुशहाली को राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध भौतिक सुविधाओं से मापा जाता है। लेकिन खुशियां का दायरा इतना छोटा तो नहीं होता। विकास की सार्थकता इस बात में है कि देश का आम नागरिक खुद को संतुष्ट और आशावान महसूस करे। स्वयं आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ बने, कम-से-कम कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिकताओं का सामना करना पड़े, तभी वह खुशहाल हो सकेगा। डिजिलीकरण, आर्थिक नवाचार जैसी घटनाओं ने आम आदमी को अधिक परेशानी एवं समस्याएं दी है। समस्याओं के घनघोर अंधेरों के बीच उनका चेहरा बुझा-बुझा है। न कुछ उनमें जोश है न होश। अपने ही विचारों में खोए-खोए, निष्क्रिय और खाली-खाली से, निराश और नकारात्मक तथा ऊर्जा विहीन। हाँ सचमुच ऐसे लोग पूरी नींद लेने के बावजूद सुबह उठने पर खुद को थका महसूस करते हैं, कार्य के प्रति उनमें उत्साह नहीं होता। ऊर्जा का स्तर उनमें गिरावट पर होता है। क्यों होता है ऐसा? कभी महसूस किया आपने? यह स्थितियां एक असंतुलित एवं अराजक समाज व्यवस्था की निष्पत्ति है। ऐसे माहौल में व्यक्ति एवं समाज खुशहाल नहीं हो सकता। खुशहाली सूचकांक के लिए अर्थशास्त्रियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की एक टीम व्यापक स्तर पर शोध करती है, यह टीम समाज में सुशासन, प्रति व्यक्ति आय, स्वास्थ्य, जीवित रहने की उम्र, भरोसा, सामाजिक सहयोग, परोपकार, दान भावना, स्वतंत्रता और उदारता आदि को आधार बनाती है।

दृष्टि कोण

# जल संकटः गर्मी से पहले ही प्यास से तरसने लगे शहर, भारत की सिलिकॉन वैली में हाहाकार

कवि रहीम ने कहा है, रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून। लेकिन गर्मी ने अभी ठीक से दस्तक भी नहीं दी है कि इस साल कई शहरों में जल संकट मंडराने लगा है। होली के रंगों से नहाए बिना ही, फागुन में रंगों की फुहारों से सराबोर हुए बिना ही सूखे के हालात का सामना पड़ गया। जल संकट की जो स्थिति मई-जून के महीनों में होती थी, वह मार्च में ही दिखने लगी है और अभी से ही कई शहरों में लोग पानी की किल्लत से जूझने लगे हैं। भारत का आईटी हब कहा जाना वाला बंगलूरू शहर इन दिनों हर रोज बीस करोड़ लीटर पानी की कमी झेल रहा है। बंगलूरू के अलावा देश में दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, भोपाल, कोलकाता, जयपुर, इंदौर जैसे अनेक शहर आज जल संकट की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने चेतावनी दी है कि अगर हैदराबाद ने जल्दी ही जल संरक्षण के लिए उचित कदम नहीं उठाए, तो पानी के मामले में उसका भी हाल सिलिकॉन वैली' बंगलूरू जैसा ही होगा। चेन्नई में वह समय अब भी सबको याद होगा, जब नल सूख गए थे,

और पानी की कमी के चलते स्कूलों को बंद करना पड़ा था। जल स्रोतों की सुरक्षा के लिए पुलिस तैनात करनी पड़ी थी। हाल ही में नीति आयोग द्वारा जारी रिपोर्ट में भी यह बात स्वीकार की गई है कि भारत के कई शहरों में जल संकट गहराता जा रहा है, और आने वाले वक्त में उसके और विकराल रूप लेने के आसार हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जहां वर्ष 2030 तक देश की लगभग 40 फीसदी आबादी के लिए जल उपलब्ध नहीं होगा, वहीं 2020 तक देश में 10 करोड़ से भी अधिक लोग गंभीर जल संकट का सामना करने के लिए मजबूर थे। नीति आयोग की समग्र जल प्रबंधन सूचकांक (कंपोजिट वाटर मैनेजमेंट इंडेक्स) रिपोर्ट के अनुसार, देश के 21 प्रमुख शहरों में लगभग 10 करोड़ लोग जल संकट की भीषण समस्या से जूझ रहे हैं। वास्तविकता यह भी है कि दुनिया की लगभग 17 फीसदी आबादी वाले देश भारत के पास दुनिया के ताजा जल संसाधनों का मात्र चार फीसदी ही है। भारत में लगभग 70 फीसदी सतही और ताजा जल के संसाधन सीवेज वेस्ट और कारखानों के अपशिष्ट से प्रदूषित हैं। वैश्विक जल गुणवत्ता सूचकांक में भारत 122 देशों में से 120वें स्थान पर है। भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र (32.8 करोड़ हेक्टेयर) में से 69 फीसदी (22.8 करोड़ हेक्टेयर) क्षेत्र सूखाग्रस्त है। ये आंकड़े हमारे देश में जल संकट की गंभीरता को साफ-साफ बयान करते हैं। वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआई) द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, देश में जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की वजह से हो रहे बदलावों के कारण यदि पानी की मांग और आपूर्ति का संतुलन बिगड़ता है, तो उसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। दरअसल, जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन की पदचाप गहराती जा रही है, वैसे-वैसे वैश्विक तापमान (ग्लोबल वार्मिंग) बढ़ता जा रहा है। इसका असर मौसम के बदलते मिजाज के रूप में नजर आ रहा है। इसके चलते कहीं बारिश कम हो रही है, तो कहीं सर्दियों का मौसम अपेक्षाकृत गर्म हो रहा है। वर्ष 1975 से वर्ष 2000 के बीच जिस मात्रा और रफ्तार से हिमालय ग्लेशियर की बर्फ पिघल रही है, साल 2000 के बाद से वह मात्रा और रफ्तार दोगुनी हो गई है। वहीं दूसरी तरफ मौसम के इस बदलाव के कारण पहाड़ सर्दियों में बर्फ की चादर में लिपटने से वंचित हो रहे हैं। वैज्ञानिकों ने आशंका जताई है कि वर्ष 2100 आने तक हिमालय के 75 फीसदी ग्लेशियर पिघल कर खत्म हो जाएंगे। इससे हिमालय के नीचे वाले भू-भाग में रहने वाले आठ देशों के करीब 200 करोड़ लोगों को पानी की किल्लत और बाढ़ के खतरे का सामना करना पड़ सकता है। इन देशों में भारत, पाकिस्तान, भूटान, अफगानिस्तान, चीन, म्यांमार, नेपाल और बांग्लादेश शामिल हैं।

कुछ अलग

# इतने दुखियारे तो नहीं हम

इस हफ्ते दो अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट आईं, जिनमें से एक में हम टॉप थ्री में हैं तो दूसरी में काफी निचली पायदान पर। हालांकि न टॉप में आने की खुशी मना सकते हैं और न निचली पोज़िशन पर रहने का ग़म क्योंकि दुख मनाया तो उस रैंकिंग में और पीछे जा सकते हैं। टॉप रैंक से खुश इसलिए नहीं हो सकते क्योंकि यह पोज़िशन हमने प्रदूषण में पाई है, वहीं बुरी तरह पिछड़े हैं खुश रहने के पैमाने पर। प्रदूषण फैलाने में बांग्लादेश और पाकिस्तान हमसे आगे हैं लेकिन खुशहाली सूचकांक में अस्थिरता से जूझ रहे पाकिस्तान, म्यांमार का हमें पछाड़ना चौंकाने वाला है। आर्थिक बदहाली झेल रहे पाकिस्तान के लोग हमसे भी ज्यादा खुश कैसे? आखिर सर्वे करने वालों ने किन लोगों से बात की जो ऐसे हालात में भी इतने खुश नज़र आ रहे हैं? चलिए, पहले नज़र डालते हैं स्विस एयर क्वॉलिटी मॉनिटरिंग एजेंसी आईक्यू एयर की रिपोर्ट पर, जिसने दुनिया के सबसे प्रदूषित देश, शहर और राजधानियों की सूची जारी की है। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बाद भारत की हवा सबसे अधिक खराब पाई गई है। वहीं दिल्ली सबसे प्रदूषित राजधानी है। दिल्ली को पिछले पांच वर्षों में यह तमगा चौथी बार मिला है। दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में से 42 भारत के हैं। इनमें सबसे खराब हवा बिहार के बेगुसराय की मिली। रिपोर्ट के मुताबिक भारत की 96 फीसदी आबादी दूषित हवा में सांस ले रही है। सूची में शामिल सारे प्रदूषित देश मध्य और दक्षिण एशियाई क्षेत्र से ही हैं। दिल्ली के बाद सबसे प्रदूषित राजधानियों की लिस्ट देखने से ही यह समझ आ जाता है, जिनमें ढाका, दुशांबे, बगदाद, जकार्ता, इस्लामाबाद, काठमांडू, आबूधाबी और दोहा शामिल हैं। पिछले साल की रिपोर्ट में सबसे प्रदूषित देशों की लिस्ट में हम आठवें नंबर पर थे। इस साल इसमें सुधार के बजाय तीसरे नंबर पर आ जाना बताता है कि हवा की गुणवत्ता सुधारने के प्रयास किस तरह से नाकाम हो रहे हैं। देश में सबसे अधिक प्रदूषण उद्योगों और वाहनों से निकलने वाले धुएं की वजह से होता है। नवंबर के महीने में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में फसलों की कटाई के बाद पराली जलाने से दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में कई इलाकों की हवा अत्यधिक ज़हरीली हो जाती है। देशभर में कई जगह बड़े पैमाने पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण उड़ने वाली धूल भी हवा की गुणवत्ता को लगातार खराब बनाए हुए है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम और लास्ट माइल कनेक्टिविटी पर ठोस कदम न उठाने की वजह से सड़कों पर वाहनों की संख्या पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। रिपोर्ट में ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, फिनलैंड, आइसलैंड और एस्टोनिया जैसे देशों की हवा सबसे साफ बताई गई है। यह माना कि इन देशों की तुलना में हमारे एरिया की शुष्क जलवायु का काफी असर पड़ता है। लेकिन उसके बावजूद इन देशों ने अपनी हवा को साफ करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। फिनलैंड के हेलसिंकी में बिजली उत्पादन के लिए कोयले के बजाय हवा और पानी का इस्तेमाल किया जा रहा है। अपनी हरियाली को बचाए रखने के लिए भी इसने सख्त नियम बनाए हैं। साफ हवा के साथ ही हेल्दी वर्क लाइफ बैलेंस बनाए रखने वाला फिनलैंड लगातार सातवीं बार हैपीनेस इंडेक्स में सबसे आगे है। वर्ल्ड हैपीनेस डे पर संयुक्त राष्ट्र की आई रिपोर्ट में टॉप पोज़िशन पर फिनलैंड के बाद डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन जैसे यूरोपीय देश ही हैं। खुशहाल देशों की इस लिस्ट में भारत पिछले साल की तरह ही 126वीं रैंक पर है। हमारे बदहाल पड़ोसी पाकिस्तान का हमसे आगे 108वें नंबर पर आना समझ से परे है क्योंकि रिपोर्ट तैयार करने के लिए खुशी के आकलन के साथ ही सामाजिक और आर्थिक स्थिति को भी परखा जाता है।

देश दुनीया से

# अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से उपजते सवाल

भारतीय लोकतंत्र और सियासत के लिए कोई शुभ संकेत नहीं है! मेरा स्पष्ट मानना है कि इस घटनाक्रम से आप पार्टी और इंडी गठबंधन को भारी क्षति के विपरीत काफी लाभ भी हो सकता है, बशर्ते कि पूरे घटनाक्रम का प्रस्तुतीकरण जनमानस में सही तरीके से किया जाए और सत्ता पक्ष को लाभ पहुंचाने की फितरत से हुई इस प्रशासनिक कार्रवाई के विरुद्ध हर गली-कूची के भ्रष्टाचार की फोटो और उसकी आधिकारिक अनदेखी के विरुद्ध पम्फलेट वितरण अभियान शुरू किया जाए। वहीं, जगह जगह सक्षम माननीय न्यायालय को पत्र भेजकर उसकी प्रतिलिपि सोशल मीडिया पर पोस्ट की जाए और स्थानीय मीडिया को भेजी जाए, ताकि भ्रष्टाचार विरोधी जनजागृति पैदा हो सके।

आबकारी नीति घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया जाना सही है या गलत- यह प्रशासनिक और न्यायिक विमर्श का विषय है। लेकिन आम चुनाव 2024 के ठीक पहले और देश में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने के तत्काल बाद जिस तरह से उन्हें गिरफ्तार किया गया, यह भारतीय लोकतंत्र और सियासत के लिए कोई शुभ संकेत नहीं है! मेरा स्पष्ट मानना है कि इस घटनाक्रम से आप पार्टी और इंडी गठबंधन को भारी क्षति के विपरीत काफी लाभ भी हो सकता है, बशर्ते कि पूरे घटनाक्रम का प्रस्तुतीकरण जनमानस में सही तरीके से किया जाए और सत्ता पक्ष को लाभ पहुंचाने की फितरत से हुई इस प्रशासनिक कार्रवाई के विरुद्ध हर गली-कूची के भ्रष्टाचार की फोटो और उसकी आधिकारिक अनदेखी के विरुद्ध पम्फलेट वितरण अभियान शुरू किया जाए। वहीं, जगह जगह सक्षम माननीय न्यायालय को पत्र भेजकर उसकी प्रतिलिपि सोशल मीडिया पर पोस्ट की जाए और स्थानीय मीडिया को भेजी जाए, ताकि भ्रष्टाचार विरोधी जनजागृति पैदा हो सके। वैसे तो लोकल मीडिया में ऐसे प्रकरण हमेशा प्रकाश में आते रहते हैं, लेकिन उनपर प्रशासनिक खामोशी के खिलाफ न्यायालय जाने के कम ही मामले प्रकाश में आते हैं। शायद इसलिए कि भ्रष्टाचार के हमाम में कहीं न कहीं हर कोई नँगा है। अमूमन विपक्षी दल भी ऐसे मामलों में धरना-प्रदर्शन के अलावा ज्यादा दूरदर्शी रवैये नहीं अपनाते, जिसके चलते ठोस कार्रवाई नहीं हो पाती। इससे जनता अक्सर परेशान रहा करती है। इसलिए भ्रष्टाचार का पुरजोर विरोध करना जरूरी है ताकि सत्ता पक्ष के इशारे पर पक्षपात पूर्ण कार्रवाई करने वाले भारतीय प्रशासन को चुनावों में बेनकाब करते हुए जनादेश मांगा जाए। आपको याद होगा कि अरविंद केजरीवाल और आप पार्टी का जन्म यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल में चले एक भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की कोख से ही हुआ है। ऐसे में आबकारी नीति घोटाले में आप मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी अपने आपमें एक यक्ष प्रश्न है। वह यह कि भारतीय सियासत वह काजल की कोठरी है, जहां से बेदाग निकलना नामुमकिन है। क्योंकि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पास तो कोई विभाग भी नहीं था, फिर भी वो फंस गए। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भ्रष्टाचार के मामले में भारतीय प्रशासन द्वारा जो पीक एंड चूज कार्रवाई की जाती है, वह भारतीय संवैधानिक व्यवस्था के लिए किसी अभिशाप से कम नहीं है। चाहे न्यायपालिका हो या मीडिया, प्रशासनिक तिकड़म को समझने में प्रायः विफल प्रतीत हुए हैं! रही बात विधायिका की तो प्रशासनिक अधिकारियों को इस तरह की मनमानी करने की छूट देने के लिए सत्ता पक्ष के साथ-साथ विपक्ष भी कम जिम्मेदार नहीं है। क्योंकि जिन कानूनों के आधार पर ऐसी कार्रवाईयां होती आईं हैं, उसे अंतिम रूप तो आखिर संसद या विधान मंडलों में ही दी जाती है। सच कहूं तो देश में भ्रष्टाचार 'हरि अनंत, हरि कथा अनंता' की तरह सर्वव्यापी है। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की समझदारी या मिलीभगत

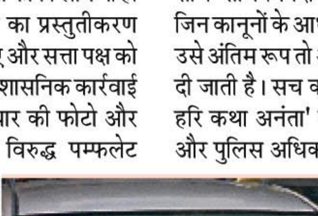

से सही को गलत और गलत को सही ठहराने के बहुतेरे उदाहरण हर किसी को उसके आसपास में ही मिल जाएंगे। बावजूद इसके भ्रष्टाचार रोकने के लिए प्रशासनिक तिकड़म जारी रहती है। उसने अरविंद केजरीवाल को भ्रष्टाचारियों की कतार में खड़ा करके इस बात के संकेत दे दिए हैं कि 'भ्रष्टाचार' को 'शिष्टाचार' के इतर तरह तरह से परिभाषित करने का खेल न कभी चला है और न ही चलने दिया जाएगा। इसकी सूची में बलि का बकरा अक्सर राजनेता बनेंगे, जबकि उनसे जुड़े अधिकारियों की भी गिरफ्तारी साथ साथ होनी चाहिए। क्योंकि 'पवित्र पाप' यानी भ्रष्टाचार कोई भी राजनेता अकेला नहीं कर सकता, जब तक कि अधिकारियों का एक सलाहकार वर्ग या जिम्मेदार वर्ग उनसे मिला हुआ न हो। यह ठीक है कि आप नेता अरविंद केजरीवाल को अब प्रमुख विपक्षी दलों का साथ मिल गया है, जिससे उनकी परेशानी कुछ कम होगी। लेकिन केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा को इससे लेने के देने भी पड़ सकते हैं। क्योंकि अरविंद केजरीवाल का आजतक का इतिहास यही रहा है कि अपने विरुद्ध पैदा किए हुए हर मुद्दे का सियासी लाभ अंततोगत्वा उन्होंने ही उठाया है। इस बार भी वो यही करेंगे! हो सकता है कि दो राज्यों में अपनी सरकार बनाने वाली पहली विपक्षी पार्टी आप, जिसे अब राष्ट्रीय पार्टी का भी दर्जा मिल चुका है।

आप का नजरीया

# असंगत अमीरी

खबर विचलित करने वाली है कि देश में मौजूदा आर्थिक असमानता ब्रिटिश काल से भी अधिक है। जो संकेत देती है कि हमारा लोकतंत्र विगत में समतामूलक आय सृजन के अवसरों का पोषक नहीं रहा है। अंतरराष्ट्रीय संस्था थामस पिकेटी व तीन अर्थशास्त्रियों द्वारा तैयार रिपोर्ट चौंकाने वाले निष्कर्ष पेश करती है कि भारत में वर्ष 2022-23 में देश के शीर्ष एक फीसदी अमीरों की देश की संपत्ति में 40 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं उनकी आय में हिस्सेदारी 22.6 फीसदी है। देश में अरबपतियों के उदय का खुलासा करने वाली रिपोर्ट निश्चिय ही संपन्न तबके के वर्चस्व को दर्शाती है। यानी हमारी धन केंद्रित आर्थिकी के चलते देश में आर्थिक असमानता की ओर ही इशारा करती है। दरअसल, देश में आर्थिक असमानता में 1980 के दशक में गिरावट देखी गई थी। लेकिन वैश्वीकरण व उदारीकरण के दौर में उदार आर्थिक नीतियों ने आय में असमानता को ही बढ़ावा दिया है। निश्चित रूप से यह स्थिति हमारी आयकर प्रणाली की विसंगतियों को भी दर्शाती है। लंबे समय से मांग की जाती रही है कि देश के कर ढांचे में सुधार किया जाए। संपन्न वर्ग की आय व संपत्ति पर यह कर लगाया जाए। इससे होने वाली आय का निवेश कालांतर स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण की स्थिति सुधारने के लिये किया जाए। लेकिन इस सुझाव की तरफ गंभीरता से विचार नहीं किया गया। जिसके चलते संसाधनों के निर्मम दोहन का सिलसिला यूं ही चलता रहा। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि वित्तीय वर्ष 2023 में देश के सबसे 167 अमीर परिवारों की कुल संपदा पर दो फीसदी का सुपर टैक्स लगाया गया होता तो इससे राष्ट्र की कुल आय में 0.5 फीसदी की वृद्धि होती। निश्चित तौर पर इस प्रयास से देश में लगातार चौड़ी होती असमानता की खाई को पाटने में मदद मिलती। विडंबना यह है कि देश में जारी आर्थिक असमानता के संकट को सत्ताधीशों ने गंभीरता से नहीं लिया। निश्चित रूप से किसी भी देश में लगातार गहरी होती असमानता की खाई कालांतर सामाजिक अशांति की वाहक बन सकती है। जिसका प्रभाव देश की कानून व्यवस्था पर भी प्रतिकूल रूप से पड़ सकता है। आज दुनिया के कई देशों में जारी असंतोष व प्रतिरोध के मूल में आर्थिक असमानता के बीज ही निहित होते हैं। जैसे ही आर्थिक असमानता सीमा असहनीय स्थिति तक पहुंचती है, प्रतिरोध की प्रतिक्रिया सामने आती है। निश्चित रूप से किसी देश में सामाजिक संतुलन के लिये श्रम का सम्मान होना भी बेहद जरूरी है। मेहनतकश वर्ग की आय का लगातार सिकुड़ना किसी भी देश के लिये अच्छा संकेत नहीं होता है। यह किसी भी लोकतंत्र के लिये अच्छी स्थिति नहीं है कि देश का एक फीसदी वर्ग विलासिता का जीवन जी रहा हो और वहीं दूसरी ओर देश का एक बड़ा तबका रोटी-कपड़ा-मकान के लिये संघर्ष कर रहा हो। यह आर्थिक असंतुलन किसी भी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की सार्थकता पर भी चर्चा की मांग करता है। हाल के दिनों में सुप्रीम कोर्ट की पहल पर राजनीतिक दलों को धनाढ्य वर्ग द्वारा हजारों करोड़ का चंदा दिया जाना इस आर्थिक असमानता का स्याह पक्ष ही है।

# प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले 10 सालों में सनातन संस्कृति के उत्थान को लेकर हुए कार्य : कैलाश चौधरी

**बाड़मेर ( हिंस )।** पोकरण विधायक और तारातरा मठ के महंत स्वामी प्रतापपुरी महाराज की उपस्थिति में मंगलवार को तपोभूमि तारातरा मठ में होली स्नेह मिलन का आयोजन हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में संत-महंत, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में श्रद्धालु आमजन सम्मिलित हुए। होली स्नेह मिलन समारोह में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री और बाड़मेर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी कैलाश चौधरी भी उपस्थित रहे और ब्रह्मलीन महंत जैतपुरी महाराज एवं मोहनपुरी महाराज सहित अन्य ब्रह्मलीन संतो-महंतों की पावन समाधियों के दर्शन पूजन कर भाजपा की जीत का आशीर्वाद लिया। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री और बाड़मेर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी कैलाश चौधरी ने तारातरा मठ में आयोजित होली स्नेह मिलन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले 10 सालों में देश में सनातन संस्कृति के

उत्थान को लेकर बेहतरीन कार्य किया है। मोदी की गारंटी में बहुत दम है, क्योंकि मोदी जो कहते हैं वो करते हैं। आज देश को मोदी की गारंटी पर भरोसा है, क्योंकि मोदी जो गारंटी देते हैं, उसे पूरा करने के लिए पूरी ताकत लगा देते हैं। अयोध्या में भगवान श्रीराम का मंदिर निर्माण और जम्मू कश्मीर से धारा 370 को हटाने जैसे ऐतिहासिक फैसले इसके गवाह हैं। अब हम सब का यह परम कर्तव्य है कि राष्ट्रहित और जनहित में लगातार तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए आगे आएं। तारातरा मठ में आयोजित होली स्नेह मिलन समारोह में चौहटन मठ के महंत जगदीशपुरी महाराज, परेऊ मठ के महंत ओंकार भारती महाराज, धर्मपुरी धूणा पन्नोनियो का तला के महंत जगरामपुरी महाराज, गंगागिरी मठ के महंत खुशालगिरि महाराज, लीलसर मठ के महंत मोटनाथ महाराज सहित पूज्य संतगण मौजूद रहे। वहीं कार्यक्रम में राजस्थान सरकार में राज्य मंत्री केके बिश्नोई, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य खंगार सिंह सोढ़ा, चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल, शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आमजन श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# होलिका भस्म की पूजा कर मुख्यमंत्री योगी ने मनाई होली

**गोरखपुर ( हिंस )।** होली के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने होलिका भस्म की पूजा कर होली मनाने का शुभारंभ किया। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में फाग गीतों का आनंद लिया और गोवंश को भस्म, गुलाल लगाकर गोसेवा की। मुख्यमंत्री ने भीम सरोवर के पास बतखों को भी दाना खिलाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के होलिकोत्सव की शुरुआत मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर होलिका भस्म की पूजा से हुई। मंदिर के मेला ग्राउंड में जलाई गई होलिका के पास जाकर योगी आदित्यनाथ ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच होलिका भस्म (सम्मत की राख) की पूजा की और आरती उतारी। इस अनुष्ठान के बाद मंदिर के प्रधान पुजारी कमलनाथ समेत अन्य साधु संतों व श्रद्धालुओं ने इसी भस्म से गोरक्षपीठाधीश्वर का तिलक लगाकर आशीर्वाद लिया।

गोरक्षपीठाधीश्वर ने भी उन्हें तिलक लगाकर होली की मंगलकामना की। होलिकादहन स्थल से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, गुरु गोरखनाथ जी के मंदिर पहुंचे और श्रीनाथ जी को होलिका भस्म अर्पित किया। इसके बाद मंदिर के द्वार पर फाग गीतों का आयोजन हुआ। सीएम योगी ने भी कुछ देर वहां रुककर फाग का आनंद उठाया और सबको होली की बधाई व शुभकामनाएं दीं। होली के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंदिर की गोशाला पहुंचे और गोवंश को भस्म व गुलाल लगाकर उनके लिए भी मंगलकामना की। उन्होंने गोवंश को गुड़ और दूध रोटी खिलाकर उनकी सेवा की। गोशाला में सीएम योगी की आवाज सुनकर गोवंश उनके पास दौड़ते हुए चले आए। मुख्यमंत्री ने माथा व गर्दन सहलाकर सभी गोवंश को खूब दुलार भी किया।

# तीन लोगों की हत्या मामले में ग्रामीणों ने किया हंगामा, हत्यारोपियों पर मुकदमा दर्ज

**फतेहपुर ( हिंस )।** जिले में होली के मौके पर तीन मजदूरों की मौत के मामले में मंगलवार को मृतक के परिवार के साथ सड़क पर ग्रामीणों ने हंगामा किया। इस मामले में हंगामा कर रहे मृतकों के पीड़ित परिजनों से पुलिस ने तहरीर लेते हुए तीन आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। चांदपुर थाना क्षेत्र के रूरा मजरे मकरंदपुर गांव निवासिनी सुनीता पत्नी कल्लू ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र के चतनपुर गांव के रहने वाले दनकू व सौरभ लकड़ी के ठेकेदार हैं। करीब तीन महीने से दपसौरा के जंगल में ठेकेदार लकड़ी कटाई का काम करवा रहे हैं। विगत 24 मार्च को होलिका दहन की रात ठेकेदार कल्लू, मनोज व मइयादीन निवासी रूरा को दपसौरा लकड़ी काटने के लिए बुलाकर ले गए थे। आरोप है कि मजदूरों के वहां पहुंचने के बाद पहले से मौजूद चुन्नू परिहार, राम बहादुर सिंह व धीरज सिंह निवासी दपसौरा के साथ कुछ अज्ञात लोगों ने मनोज, कल्लू और मइयादीन की हत्या कर दी। थानाध्यक्ष बच्चे लाल प्रसाद ने बताया कि तीन लोगों की हत्या मामले में तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

# नवादा में जदयू नेता को मारी गोली, अस्पताल में दाखिल

**नवादा ( हिंस )।** जिले में नरहट थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव में मंगलवार को अपराधियों ने जदयू के नेता अयोध्या शरण को गोली मार दी। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है। अयोध्या शरण के सर में गोली लगी है। उनके पिता वरिष्ठ जदयू नेता अखिलेश्वर सिंह 30 वर्षों तक नारायणपुर ग्राम पंचायत के मुखिया रहे हैं तथा जदयू की टिकट पर हिसुआ विधानसभा क्षेत्र से चुनाव भी लड़ चुके हैं। जदयू नेता अयोध्या शरण ने बताया कि गांव के ही पूर्व मुखिया रहे ललन कुमार मधुकर, रामाशीष प्रसाद सहित आधा दर्जन लोगों ने हत्या की नियत से उन्हें गोली मारी। इन लोगों ने मिलकर उनके पिता अखिलेश्वर सिंह की भी हत्या गोली मारकर कर दी थी। उस मुकदमे में सारे लोग अभियुक्त बनाए गए हैं। मुकदमा का ट्रायल नवादा न्यायालय में चल रहा है। उन्होंने बताया कि इस मुकदमे में गवाही के रूप में उपस्थित नहीं हो, इसके लिए हत्या धामकी भी दिया गया था। जब धमकी से नहीं डरे तो उनके पिता के हत्यारे ने उन्हें ही जान मारने की नीयत से गोली मार दी। अयोध्या शरण को नरहट अस्पताल के बाद नवादा सदर अस्पताल में दाखिल किया गया है। लेकिन चिकित्साकों ने बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर में जाने की सलाह दी है। इस घटना के बाद गांव में तनाव व्याप्त है। किसी भी अनहोनी की घटना से इनकार नहीं किया जा सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि घटना की जानकारी रजौली के एसडीओ को दी गई थी।

# सीता सोरेन और जेपी पटेल ने छोड़ दी पार्टी विधानसभा से अब तक कोई एक्शन नहीं

**रांची ( हिंस )।** लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बीच नेताओं का पाला बदलने का दौर भी लगातार जारी है। इन सबके बीच हाल ही में सत्तापक्ष और विपक्ष के दो विधायक सार्वजनिक रूप से पाला बदल चुके हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा से नाराज होकर भाजपा का दामन थामने वाली जामा विधायक सीता सोरेन और भाजपा से कांग्रेस में शामिल हुए मांडू विधायक जेपी पटेल को लेकर अब तक कोई एक्शन विधानसभा की ओर से नहीं हुआ है। सीता सोरेन ने 19 मार्च को स्पीकर को ई-मेल के जरिए इस्तीफा भेजा गया था जबकि जेपी पटेल ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया है। जेपी पटेल के कांग्रेस में जाने के बाद नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने आपत्ति जताते हुए विधानसभा से दल बदल के तहत कार्रवाई करने की मांग पिछले दिनों की थी लेकिन लिखित रूप से अब तक कोई स्पीकर न्यायाधिकरण में केस नहीं दर्ज हो पाया है। प्रावधान के अनुसार इस तरह के मामले में सदन में भाजपा के विधायक दल के नेता होने के नाते सबसे पहले उन्हें लिखित शिकायत करनी होगी। इसके बाद मुख्य सचेतक और फिर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की ओर से लिखित शिकायत हो सकती है। जामा विधायक सीता सोरेन के द्वारा स्पीकर के समक्ष विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिए हुए एक सप्ताह हो चुके हैं लेकिन अब तक कोई निर्णय नहीं हो सका है। इस संबंध में विधानसभा के संयुक्त सचिव मधुकर भारद्वाज कहते हैं कि विधानसभा कार्य संचालन नियमावली 316 के अनुसार विधानसभा अध्यक्ष को किसी सदस्य के इस्तीफा पर विवेकाधिकार निर्णय लेने का अधिकार है। इसके लिए विधानसभा के कोई भी निर्वाचित सदस्य फैक्स, ईमेल या लिखित कॉपी स्पीकर को सौंप सकते हैं। इन सबके बीच सीता सोरेन को भाजपा ने दुमका सीट से लोकसभा के लिए सुनील सोरेन की छुट्टी करते हुए प्रत्याशी बनाने की घोषणा की है। ऐसे में सीता सोरेन के इस्तीफा लंबित होने से सवाल उठने शुरू हो गए हैं। इसके पहले गांडेय से झामुमो विधायक सरफराज अहमद का इस्तीफा रविवार होने के बावजूद कुछ घंटे के अंदर स्वीकार कर अधिसूचना जारी कर दी गई थी।

# केजरीवाल के आगे घुटने टेक देता है राहुल गांधी के न्याय का सिद्धांत : केशव

**लखनऊ ( हिंस )।** लोकसभा चुनावों में सियासी दलों के नेताओं के कमान से तीर निकल रहे हैं। विरोधियों को चुभते इनके तीरों के सियासी मायने होते हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता व उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक ही तीर से कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट कर हमला बोला है। उन्होंने लिखा है कि राहुल गांधी के न्याय का सिद्धांत अरविंद

केजरीवाल के सामने घुटने टेक देता है। शराब घोटाला में मनीष सिसोदिया से इस्तीफा ले लिया जाता है और केजरीवाल से नहीं। इसके साथ ही केशव प्रसाद मौर्य ने अबकी बार चार सौ पार। फिर एकबार मोदी सरकार नारा को बुलंद किया।

# लव जिहाद मामले में हिंदू संगठनों ने थाने पर किया प्रदर्शन

**यमुनानगर ( हिंस )।** लव जिहाद मामले में घर से लापता हुई लड़की के लेकर पुलिस द्वारा कार्रवाई एक लापरवाही के खिलाफ हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को थाना सदर यमुनानगर में प्रदर्शन किया और पुलिस विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सर्व जागरण मंच के संयोजक उदयवीर शास्त्री ने बताया कि करेड़ा क्षेत्र में रहने वाली एक कॉलेज की छात्रा 17 मार्च को घर से लापता हो गई थी। जिसको लेकर परिजन द्वारा ढूंढने का बड़ा प्रयास किया और उसके बाद उन्होंने सदर थाना यमुनानगर में इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन एक हफ्ते बीत

जाने के बाद भी पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने बताया कि गरीब परिवार की बेटी को बहला फुसलाकर ले जाने का परिजन ने गांव टोडरपुर के मुस्लिम समुदाय के वाई वाकमुस्तफा पर लगाया है। घर में मिले लड़की के मोबाइल में भी तांत्रिक से संबंधित कुछ जानकारियां मिली है। उन्होंने कहा कि 19 मार्च को बिलासपुर क्षेत्र से थाना पुलिस प्रभारी सदर यमुनानगर को एक पत्र मिला था जिसमें लड़की की तरफ से लिखा गया था कि उसके परिजन से उसे सुरक्षा की जरूरत है। वही परिजन का कहना था कि पत्र में किए गए हस्ताक्षर उनकी बेटी के नहीं है। यह उस मुस्लिम युवक की साजिश है। जो उनकी लड़की को अगवा कर ले गया है। हिंदू संगठन के लोगों ने पुलिस को 48 घंटे में सारी जांच करने और आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि 48 घंटे तक अगर पुलिस इस पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं करती तो एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर हिंदू संगठन के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे।

# सड़क दुर्घटना में दो चचेरे भाइयों की मौत

**पलामू ( हिंस )।** पंडवा थाना क्षेत्र के पाटन-पंडवा मुख्य मार्ग पर कोकरसा में सड़क दुर्घटना में दो भाइयों की मौत हो गई है। मृतक लखन कुमार भुईयां (24) और जीतू भुईयां (17) नावाबाजार थाना क्षेत्र के पतरिया गांव के रहने वाले थे। दोनों चचेरे भाई थे। बताया जाता है कि सोमवार की रात गांव में होली खेलने के बाद जीतू और लखन को लेकर उसका दोस्त मिठू भुईयां कहीं जा रहा था। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे। इसी दौरान कोकरसा स्कूल के पास पाटन की ओर से आ रही एक बाइक से आमने सामने की टक्कर हो गई, जिसमें जीतू और लखन की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। बड़े भाई बाबूराम भुईयां ने मंगलवार को बताया कि रात आठ बजे मिठू ने फोन पर बताया कि मोटरसाइकिल का एक्सीडेंट हो गया है। जाकर देखा तो लखन और जीतू दोनों ने दम तोड़ दिया था। लखन अहमदाबाद में काम करता था। होली मनाने ही 13 महीने पर अपने घर आया था। वहीं जीतू 11वीं का छात्र था। पंडवा पुलिस ने घटना की जानकारी मिलने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया। इस घटना के बाद मृत युवकों के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

# चिराग ने पार्टी कार्यकर्ताओं संग खेली होली, ढाई साल की मेहनत का मनाया जश्न

**पटना ( हिंस )।** लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने मंगलवार को होली पर पहली बार पार्टी के कार्यकर्ताओं के संग पटना में होली खेली। इस दौरान वह सिर से पांव तक रंगों से सराबोर दिखे। हालांकि, चिराग की इस बार की होली उस जीत की भी थी, जिसे चिराग ने ढाई साल में अपनी मेहनत से खड़ा किया था। चिराग ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ढाई साल जिस तरह से पापा की पार्टी टूटी थी उसके बाद सही मायने में मेरे लिए आज होली है। इस दौरान चिराग ने यह भी वादा किया है कि ऐसी ही होली एक बार फिर मनाई जाएगी। चार जून को जब एनडीए 400 सीटों पर जीत दर्ज करेगी और नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। भाजपा के बिहार प्रभारी विनोद तावड़े और प्रिंस पासवान से मुलाकात को लेकर चिराग पासवान ने कहा कि इससे एक बार फिर साफ हो गया है कि हमारी पार्टी में प्रिंस पासवान के लिए कोई जगह नहीं है। उन्हें टिकट नहीं दिया जाएगा।

# सुरक्षा हटने से नाराज पप्पू यादव ने भाजपा-जदयू को दी चेतावनी

**पटना ( हिंस )।** कांग्रेस में शामिल होने के बाद पूर्णिया से लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे पप्पू यादव की सुरक्षा में लगे सभी पुलिस बल को हटा दिया गया है। इसे लेकर पप्पू यादव नीतीश सरकार से बेहद नाराज है। पप्पू यादव ने इसके लिए भाजपा

और जदयू पर जमकर भड़ास निकाली है। उन्होंने कहा है कि मेरी सुरक्षा से खिलवाड़ भाजपा और जदयू को बहुत भारी पड़ेगी। पप्पू यादव ने एक्स हैंडल पर लिखा है कि मुझे वाई सिक्योरिटी सुरक्षा प्राप्त है लेकिन कांग्रेस में शामिल होते ही मेरी सुरक्षा में तैनात सारे पुलिस बल को हटा लिया गया है। पूर्णिया सीमांचल कोसी में मिल रहे मुझे आशीर्वाद से बीजेपी भयाक्रांत है। मुझे अपनी चिंता नहीं है। पूर्णिया और देश में पूर्ण परिवर्तन के लिए सब कुछ न्यौच्छावर! मेरी सुरक्षा से खिलवाड़ बीजेपी जदयू को बहुत भारी पड़ेगी।

# कांग्रेस सरकारों ने अपने वोट बैंक हितों के लिए गुर्जर समुदाय का किया था शोषण : डॉ. जितेंद्र सिंह

**किश्तवाड़ा ( हिंस )।** केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और उधमपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार ने मंगलवार को किश्तवाड़ा में कहा कि अतीत में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों ने अपने वोट बैंक हितों के लिए गुर्जर समुदाय का शोषण किया था। आजादी के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में गुज्जर समुदाय को समाज के किसी भी अन्य वर्ग के समान सम्मान दिया है। किश्तवाड़ा जिले में चिनाब नदी के तट पर मुगल मैदान के सुदूर पहाड़ी क्षेत्र में एक विशाल सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकारों ने गुर्जर समुदाय को अपने हाल पर छोड़ दिया था और वह बेघर जीवन जी रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हर किसी के लिए जाति, पंथ या धर्म की परवाह किए बिना परिवार को पक्का घर प्रदान करने का संवेदनशील विचार लेकर आए। इसलिए पहले अस्थायी आश्रयों में रहने वाले गुज्जर परिवारों के पास आज अपना खुद का घर है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का किश्तवाड़ा चल रही बिजली परियोजनाओं के पूरा होने के बाद लगभग 6,000 मेगावाट बिजली पैदा करके उत्तर भारत का प्रमुख पावर हब बनने के लिए तैयार है। डॉ. सिंह ने कहा कि 9 से 10 वर्षों में इस क्षेत्र में 6 से 7 प्रमुख जल विद्युत परियाजनाएं आई हैं। उन्होंने बताया कि 1000 मेगावाट की क्षमता वाली पाकल दुल परियोजना है। फिलहाल इसकी अनुमानित लागत 8,112.12 करोड़ रुपए है और इसके पूरा होने की समय सीमा 2025 है। इसके अलावा 624 मेगावाट की क्षमता वाली किरू जलविद्युत परियोजना है, जिसकी अनुमानित लागत 4,285.59 करोड़ और इसकी समय सीमा भी 2025 है। मंत्री ने बताया कि 850 मेगावाट की रतले परियोजना को केंद्र और केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बीच एक संयुक्त उद्यम के रूप में पुनर्जीवित किया गया है। इसके अलावा मौजूदा दुलहस्ती पावर स्टेशन की स्थापित क्षमता 390 मेगावाट है, जबकि दुलहस्ती टू जलविद्युत परियोजना की क्षमता 260 मेगावाट होगी।

# रोडवेज बस और कार की आमने सामने भिड़ंत में तीन लोगों की मौत

**श्रीगंगानगर ( हिंस )।** जिले के पदमपुर थाना क्षेत्र के चूनावढ़ गांव के पास भीषण हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। यहां मंगलवार को रोडवेज बस और कार में आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। इससे कार में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। मृतकों में दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। तीनों मृतकों के शव चूनावढ़ के सरकारी अस्पताल की मोर्च्युरी में रखवाए गए हैं। मौके पर पहुंची चूनावढ़ थाना पुलिस ने हादसाग्रस्त गाड़ियों को सड़क से हटवाया और यातायात सुचारू करवाया। चूनावढ़ पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कार सवार पांचों लोग पंजाब के मोगा से अपने परिचितों से मिलने के लिए पदमपुर आए थे। इसी दौरान रोडवेज बस से उनकी टक्कर हो गई। इससे 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। चूनावढ़ अस्पताल में भर्ती 2 कार सवार लोगों को श्रीगंगानगर रेफर किया गया है। पुलिस ने घायलों को चूनावढ़ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। वहीं शवों को मोर्च्युरी में रखवा दिया गया। बस की 5 सवारियों को चोटें आईं, वहीं बस का ड्राइवर मौके से फरार हो गया। मृतकों में पंजाब का सूरजवीर पुत्र गुरविंद्रपाल, मनदीप कौर पत्नी बलजीतसिंह और कुलदीप कौर पत्नी गुरविंद्र की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार राजस्थान रोडवेज की श्रीगंगानगर से घड़ासाना के बीच चलने वाली बस सुबह घड़साना के लिए रवाना हुई थी।

# भाजपा में शामिल नेताओं ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

**जयपुर ( हिंस )।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से प्रभावित होकर जैसलमेर एवं बाड़मेर के कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी नेताओं से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निवास पर मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने सभी नए सदस्यों को चुनावों में जी जान से जुटने का आह्वान किया। इस अवसर पर जैसलमेर से नगरपरिषद सभापति हरि वल्लभ कल्ला, मोहनगढ़ के प्रधान कृष्ण मुकेश चौधरी, पूर्व प्रधान मूलाराम चौधरी, यूथ कांग्रेस के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष रहे मनोहर पाबड़ा ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बाड़मेर से राजस्थान विश्वविद्यालय की पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष प्रभा चौधरी, पूर्व जिला परिषद सदस्य और पूर्व बार अध्यक्ष करणाराम चौधरी, सिद्धार्थ कड़वासरा और रमेश कड़वासरा ने सदस्यता ग्रहण की।

# प्रयागराज के चौक की कपड़ा फाड़ होली में जमकर हुई मौज-मस्ती

## ठठेरी बाजार में आज होगी प्रसिद्ध होली

**प्रयागराज ( हिंस )।** वैसे तो भारत में हर जगह की होली मशहूर और लोकप्रिय है, क्योंकि यह जीवन और रंगों से जुड़ा हुआ पर्व है। पर कुछ जगहें ऐसी हैं, जहां की होली अपने अनूठे और अनोखेपन के कारण इतनी ज्यादा चर्चित होती है कि हर कोई वहां जाकर एक बार होली का जश्न मनाना चाहता है। ऐसी ही होली प्रयागराज के लोकनाथ की है जो अन्य होलियों से थोड़ा हटकर है। इसमें शामिल होने के लिए देश के कोने-कोने से लोग पहुंचते है। बता दें कि, प्रयागराज के चौक की होली देखने अन्य जिलों से कई लोग पहुंचते हैं। ऐतिहासिक लोकनाथ चौराहे और चौक की होली अन्य शहरों की होली से जरा हटकर होती है। लोकनाथ चौराहे पर होली के मौके पर सभी धर्मों के लोग एकत्रित होकर गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल पेश करते हुए होली खेलते हैं। एक तरफ जहां ऊपर से पाइप के जरिए लोगो के ऊपर रंगों की बौछार की जाती है तो वहीं, दूसरी तरफ हजारों की

संख्या में लोग सड़कों पर डीजे की धुन में थिरकते नजर आते हैं। एसीपी मनोज कुमार सिंह कोतवाली पुलिस के साथ सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखे हुए थे। इसी प्रकार दारागंज में बच्चा पांडेय के नेतृत्व में दमकल युद्ध होता है। जिसमें आने-जाने वालों को मशीनों द्वारा रंगों से सराबोर कर दिया जाता है। होली पर्व के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर कहीं कोई विवाद न हो, इसके लिए शहर के चौराहों पर पुलिस मुस्तैद रही। लोग डीजे की धुन पर जमकर नृत्य करते हुए एक-दूसरे का कपड़ा फाड़ते हुए बिजली के तारों पर फेंक रहे थे। इस तरह उन्होंने होली का भरपूर आनंद उठाया। दिन में रंग और शाम को लोग एक-दूसरे से मिलने घर पहुंच रहे हैं। सभी ने एक दूसरे से गले मिलकर होली का त्योहार मनाया। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस के जवान प्रत्येक चौराहे पर अपनी ड्यूटी पर मौजूद रहे और होली पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए नजरें गड़ाए रहे। पुलिस के आलाधिकारी प्रत्येक थाना क्षेत्र से होली के संबंध में जानकारी लेते रहे और जहां भी कुछ विवाद होने की आशंका हुई वहां पहुंचकर पुलिस ने युवकों को भगाया।

# लगातार छह तिमाही में नकारात्मक वृद्धि दर सकारात्मक हुई, पटरी पर लौट रही श्रीलंका की अर्थव्यवस्था

**कोलंबो ।**
नकदी संकट से जूझ रही श्रीलंका की अर्थव्यवस्था ने आर्थिक संकट आने के बाद पहली बार सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। दरअसल, सेंट्रल बैंक ने बताया की अर्थव्यवस्था ने 2023 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 4.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। द्वीपीय देश की नकदी संकट से जूझ रही अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर लगातार छह तिमाहियों में नकारात्मक रहने के बाद 2023 की चौथी तिमाही में सकारात्मक दायरे में लौटी है। कोलंबो उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में सालाना बदलाव के आधार पर मापी गई मुद्रास्फीति जनवरी में 6.4 प्रतिशत से घटकर फरवरी में 5.9 प्रतिशत रह गई। तीसरी तिमाही में भी की थी वृद्धि दर्ज इससे पहले, 2022 में 7.8 फीसदी जीडीपी संकुचन और छह तिमाहियों की लगातार नकारात्मक वृद्धि के बावजूद देश ने साल 2023 की तीसरी तिमाही के दौरान सकारात्मक वृद्धि दर्ज की थी। उस समय राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कहा था कि पिछली साल नकारात्मक वृद्धि के बावजूद देश ने 2023 की तीसरी तिमाही में 1.6 प्रतिशत की विकास दर के साथ वापसी की है। कोलंबो उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में जिस महंगाई के बढ़ने की श्रीलंका में पिछले साल सबसे ज्यादा चर्चा थी, वह जनवरी के 6.4 फीसदी के मुकाबले फरवरी में गिरकर 5.9 फीसदी पर आ गई थी। इस साल फरवरी के अंत तक सकल आधिकारिक भंडार बढ़कर 4.5 अरब डॉलर हो गया, जिसमें पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना की स्वैप सुविधा (अदला-बदली) शामिल है। श्रीलंकाई रुपया में वृद्धि दर्ज गवर्नर नंदलाल वीरसिंघे ने कहा कि रिजर्व बिल्डअप सेंट्रल बैंक के अनुमानों से ज्यादा सही था। उन्होंने बताया कि श्रीलंकाई रुपया, जो 2023 में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12.1 प्रतिशत बढ़ा, 2024 में अब तक 6.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। वीरसिंघे ने कहा कि आईएमएफ के बेलआउट कार्यक्रम की अगली समीक्षा के लिए सरकारी बॉन्ड धारकों के साथ ऋण पुनर्गठन पर समझौते जून तक पूरे किए जा सकते हैं।

## रियलमी ने हर मिनट फोन के 300 यूनिट्स की बिक्री की, कंपनी ने की यह घोषणा

**नई दिल्ली ।** चाइनीज कंपनी रियलमी ने घोषणा की है कि उसने हर मिनट फोन के 300 यूनिट्स की बिक्री की है। जोकि पिछले जनरेशन की फर्स्ट सेल यूनिट्स की तुलना में 338 प्रतिशत की ग्रोथ है। कंपनी के मुताबिक ये डेटा कंपनी का कहना है कि यह पहले दिन की सेल के पहले 30 मिनट के डेटा पर बेस्ड है। नार्जो 70 प्रो 5जी के 8जीबी + 128जीबी वेरिएंट की कीमत 19,999 रुपये और 8जीबी + 256जीबी वेरिएंट की कीमत 21,999 रुपये रखी गई है। फोन को ग्लास ग्रीन और ग्लास गोल्ड कलर ऑप्शन में उतारा गया है। फोन को अमेजन, रियलमी की साइट और ऑफलाइन स्टोर्स से खरीदा जा सकता है। फोन पर आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक डेबिट और क्रेडिट कार्ड होल्डर्स 8जीबी+128जीबी पर 1,000 रुपये का डिस्काउंट और 8जीबी+256जीबी वेरिएंट पर 2,000 रुपये का डिस्काउंट पा सकते हैं। इस फोन में 2000 नीटस पीक ब्राइटनेस के साथ 6.7-इंच एफएचडी+ 120एचझेड अमोलेड डिस्प्ले दिया गया है। साथ ही यहां डिस्प्ले में रेन वाटर स्मार्ट टच टेक्नोलॉजी भी दी गई है। फोन में मीडियोटेक डायमेंसिटी 7050 प्रोसेसर मौजूद है। फोटोग्राफी के लिए फोन के रियर में ओआईएस के साथ 50 एमपी प्राइमरी कैमरा दिया गया है। ये फोन एंड्रॉयड 14 बेस्ड रियलमी यूआई 5.0 पर चलता है। इसकी बैटरी 5000 एमएएच की है और यहां 67वॉट सुपर वॉक फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट दिया गया है। फोन को 19 मिनट में ही 50 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। बता दें कि रियलमी ने भारत में इस हफ्ते की शुरुआत में नार्जो 70 प्रो 5जी को लॉन्च किया था। लॉन्च वाले दिन यानी 19 मार्च को इस फोन को अर्ली बर्ड सेल में रखा गया था। फोन की बिक्री शाम 6 बजे से अमेजन और रियलमी की ऑफिशियल साइट से की गई थी।

# लंदन के विज्ञान संग्रहालय में खुली अदाणी ग्रीन एनर्जी गैलरी, यहां देखने को मिलेंगी ये खास चीजें

**लंदन ।**
लंदन के विज्ञान संग्रहालय में अदाणी ग्रीन एनर्जी गैलरी का शुभारंभ हुआ। यह गैलरी बताती है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने में नवीकरणीय ऊर्जा किस तरह से मदद करती है। साथ ही यह बताया गया है कि भविष्य में हरित क्रांति एक निर्णायक चुनौती साबित हो सकती है।

**तीन अनुभागों में बांटी गई है गैलरी** - इस गैलरी में कई देशों की ऐतिहासिक वस्तुओं को डिजिटल माध्यम से आकर्षक बनाया गया है। यह गैलरी दिखाती है कि किस तरह नवाचार के माध्यम से भूत, वर्तमान और भविष्य को आकार दिया जा सकता है। अदाणी ग्रीन एनर्जी गैलरी को तीन अनुभागों में बांटा गया है। तीनों ही अनुभागों में यह बताने की कोशिश की गई है कि इस सदी की निर्णायक चुनौतियां क्या होंगी।

**फ्यूचर प्लैनेट अनुभाग** - यहां आने वाले लोग यह पता लगा सकते हैं कि वैज्ञानिक हमारे ग्रह को समझने के लिए किस तरह जटिल कंप्यूटर-आधारित मॉडल का इस्तेमाल करते हैं। साथ ही इस अनुभाग में यह बताया गया है कि हमें जलवायु भविष्य के बारे में क्या क्या पता होना चाहिए।

**फ्यूचर एनर्जी अनुभाग** - इस अनुभाग में यह बताने की कोशिश की गई है कि ऊर्जा की आपूर्ति और उपयोग कैसे किया जाता है। इसे ऐतिहासिक कलाकृतियों की मदद से उजागर किया गया है।

**हमारा भविष्य अनुभाग** - इस अनुभाग में विज्ञान और तकनीकि की मदद एक नई दुनिया दिखाई गई है। इस नई दुनिया में में बच्चों के रचनात्मक विचारों को शामिल किया गया है। इसमें बताया गया है कि दुनिया अपनी भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को किस तरह से पूरा करेगी।

**कार्बन मुक्त दुनिया के बारे में जानेंगे लोग** - आपको बता दें कि अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) भारत की सबसे बड़ी और दुनिया की अग्रणी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों में से एक है। कंपनी के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी का कहना है कि यह कंपनी दुनिया की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों में से एक है। हमारा

उद्देश्य गैलरी के माध्यम से युवा दिमागों और वैज्ञानिकों को स्वच्छ ऊर्जा द्वारा संचालित कार्बन मुक्त दुनिया बनाने के लिए प्रेरित करना है।

**विज्ञान संग्रहालय ने क्या कहा** - अदाणी ग्रीन एनर्जी गैलरी को लंदन विज्ञान संग्रहालय ने आश्चर्यजनक बताया है। संग्रहालय के निदेशक सर इयान ब्लैचफोर्ड ने कहा कि यह गैलरी जिज्ञासा जगाने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि विश्व को सतत रूप से ऊर्जा उत्पन्न करने और उपयोग करने की आवश्यकता है।

### एसपी समूह ने गोपालपुर बंदरगाह को 3,350 करोड़ रुपये में बेचा, अदाणी समूह ने खरीदा

**नई दिल्ली ।** शापूरजी पल्लोनजी समूह ने ओडशा के ब्राउनफील्ड गोपालपुर बंदरगाह को अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड को 3,350 करोड़ रुपये के मूल्य पर बेचने की घोषणा की है। बता दें कि 2017 में निर्माणाधीन गोपालपुर बंदरगाह को एसपी समूह ने अधिग्रहित किया था। मौजूदा समय में यह 20 एमटीपीए संभालने में सक्षम है। एसपी समूह ने बताया कि बंदरगाह ने हाल ही में ग्रीनफील्ड एलएनजी पुनर्गैसीकरण टर्मिनल स्थापित करने के लिए पेट्रोनेट एलएनजी के साथ अनुबंध किया है। शापूरजी पल्लोनजी समूह के प्रवक्ता ने कहा, महत्वपूर्ण उद्यम मूल्य पर गोपालपुर बंदरगाह और धरमतार बंदरगाह का नियोजित विनिवेश हमारे समूह की परिसंपत्तियों को बदलने और अपेक्षाकृत कम समय में हितधारक मूल्य बनाने की क्षमता को दर्शाता है। एसपी समूह अपने कर्ज को कम करने के लिए कई उपायों पर विचार कर रहा है। बता दें कि समूह पर करीब 20,000 करोड़ रुपये का कर्ज होने का संदेह है।

# एशिया की अरबपतियों की सूची में मुंबई ने बीजिंग को पीछे छोड़ा

**नई दिल्ली ।**
चीन के बीजिंग को पछाड़कर मुंबई पहली बार एशिया की अरबपतियों की राजधानी बन गई है। मुंबई में अब बीजिंग से ज्यादा अरबपति हैं। हुरुन रिसर्च की 2024 ग्लोबल रिच लिस्ट के अनुसार, मुंबई में बीजिंग में 91 के मुकाबले 92 अरबपति हैं। हालांकि, अगर चीन देश की बात करें तो भारत के 271 की तुलना में यहां 814 अरबपति हैं।

न्यूयॉर्क के बाद अरबपतियों के मामले में मुंबई अब वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है। अरबपतियों के मामले में न्यूयॉर्क पहले नंबर पर है। यहां सबसे अधिक 119 अरबपति रहते हैं। इसके बाद लंदन आता है, जहां 97 अरबपति हैं। इस मामले में मुंबई तीसरे स्थान पर है।

### मुंबई में कितने नए अरबपति

मुंबई में 26 नए अरबपतियों के कारण यह चीन की राजनीतिक और सांस्कृतिक राजधानी, बीजिंग से आगे निकल गई है। जबकि बीजिंग में 18 अरबपतियों की कमी आई है।

### कुल अरबपतियों की संपत्ति

मुंबई की कुल अरबपतियों की संपत्ति 445 अरब डॉलर है, जो पिछले साल से 47 फीसदी ज्यादा है। वहीं बीजिंग की कुल अरबपतियों की संपत्ति 265 अरब डॉलर है, जो 28 फीसदी कम हुई है।

### शहर में हैं ये अरबपति

मुंबई के वेल्थ सेक्टर्स में एनर्जी और फार्मास्यूटिकल्स शामिल हैं, जिसमें मुकेश अंबानी जैसे अरबपति का नाम शामिल है। रियल एस्टेट के खिलाड़ी मंगल प्रभात लोढ़ा (और परिवार) को सबसे ज्यादा वेल्थ मिली है। इन अरबपतियों की वैश्विक रैंकिंग में हुआ सुधार ग्लोबल रिच लिस्ट के अनुसार, मुकेश अंबानी संपत्ति में बढ़ोतरी के साथ 10वें स्थान पर रहे, जिसका श्रेय मुख्य रूप से रिलायंस इंडस्ट्रीज को जाता है। इसी तरह, गौतम अदाणी की संपत्ति में बढ़ोतरी के बाद वह वैश्विक रैंकिंग पर आठ पायदान ऊपर 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं। एचसीएल के शिव नादर और उनके परिवार की संपत्ति और वैश्विक रैंकिंग दोनों बेहतर हुई है। वह 16 स्थान ऊपर 34 नंबर पर पहुंच गए हैं। कुछ की रैंकिंग में गिरावट ग्लोबल रिच लिस्ट में कुछ भारतीय अरबपतियों की वैश्विक रैंकिंग में हल्की गिरावट देखी गई है।

## किआ कंपनी की कारें हो जाएगी महंगी, 31 मार्च के बाद चुकाने होने ज्यादा पैसे

**नई दिल्ली ।** किआ कंपनी की कारें महंगी होने जा रही है। किआ ने अपने सभी वाहनों के दाम 3प्रतिशत तक बढ़ाने का ऐलान किया है। कंपनी के मुताबिक नई कीमतें 1 अप्रैल 2024 से लागू होंगी। किआ इस साल में पहली बार कीमतें बढ़ाने जा रही है। अगर नई कीमतें लागू होती हैं तो किआ की सबसे ज्यादा बिकने वाली सेल्टोस एसयूवी की कीमत करीब 32,697 रुपये तक बढ़ सकती है। वहीं, सॉनेट की कीमत 23,970 रुपये और कैरेंस की कीमत में 31,347 रुपये का इजाफा हो सकता है।वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी के ऐलान के बाद किआ के आधिकारिक तौर पर बयान जारी किया है। किआ इंडिया के सेल्स और मार्केटिंग के नेशनल हेड हरदीप सिंह बराड़ ने कहा, 'हम लगातार अपने ग्राहकों को प्रीमियम और टेक्नोलॉजिकली एडवांस प्रोडक्ट देने का प्रयास करते हैं।

# एसएंडपी ने बढ़ाया भारत के विकास दर का अनुमान इस साल कितनी तेजी से बढ़ सकती है अर्थव्यवस्था

**नई दिल्ली ।**
भारत की जीडीपी दर तेज बने रहने की उम्मीद है। सकल घरेलू उत्पाद पर रेटिंग एजेंसी एसएंडपी के आंकड़ों से सकारात्मक संदेश मिला है। एसएंडपी ने वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत किया है। हालांकि, एजेंसी ने प्रतिबंधात्मक ब्याज दरों को आर्थिक विकास के लिए एक बाधा के रूप में चिह्नित किया।

### कमजोर निर्यात जैसी अड़चनें दूर

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स की तरफ से जारी बयान में कहा गया, चालू वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि दर का अनुमान 7.6 प्रतिशत हो सकता है। एजेंसी ने कहा कि विकास की मजबूत घरेलू गति के कारण उच्च खाद्य मुद्रास्फीति और कमजोर निर्यात जैसी अड़चनें दूर हुई हैं।

### पहले.यह जताया था अनुमान

इससे पहले, पिछले साल नवंबर में अमेरिका की इस एजेंसी ने वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। अगले साल विकास दर सबसे मजबूत होने के आसार एशिया प्रशांत क्षेत्र के

देशों की जीपीडी पर एसएंडपी ने कहा, इस साल और अगले साल विकास दर सबसे मजबूत होने के आसार हैं। भारत में निजी उपभोक्ता खर्च की तुलना में निश्चित निवेश में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। ठोस घरेलू मांग के साथ उभरते बाजार वाली अर्थव्यवस्थाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। भारत के अलावा इंडोनेशिया, मलयेशिया और फिलीपींस में भी तेज विकास का अनुमान है। भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़े पैमाने पर घरेलू मांग-आधारित अर्थव्यवस्थाओं में घरेलू खर्च करने की क्षमता पर उच्च ब्याज दरों और मुद्रास्फीति के प्रभाव ने दूसरी छमाही में क्रमिक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि को कम किया है।

# एक फोन कॉल पर नौकरी से निकाले गए कंपनी के 400 कर्मचारी, इस वजह से लिया गया फैसला

**वॉशिंगटन ।**
इटली और अमेरिका की वाहन निर्माता कंपनी स्टेलेंटिस ने अमेरिका में अपने इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर और प्रौद्योगिकी विभागों में काम कर रहे 400 से अधिक कर्मचारियों को हटा दिया।

### इस वजह से लिया गया फैसला

एक रिपोर्ट के अनुसार कार निर्माता कंपनी ने एक नोटिस में कर्मचारियों से कहा है कि हम महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित करने जा रहे हैं, जिसमें विशेष भागीदारी की आवश्यकता होगी। रिमोट कॉल में शामिल होने वाले कर्मचारियों को बताया गया कि उन्हें मैकेनिकल इंजीनियर के रूप में नौकरी से निकाला जा रहा है। बता दें कि कि स्टेलेंटिस कंपनी भारत, मैक्सिको और ब्राजील में नौकरियों की आउटसोर्सिंग कर रही है। कंपनी का कहना है कि वह कम लागत वाले देशों में अपने व्यापार को आगे बढ़ाना चाहते हैं, जो कंपनी के लिए लाभदायक हैं। आगे बताया गया है कि ऑटो उद्योग दुनिया भर में अभूतपूर्व अनिश्चितताओं का सामना कर रहा है। स्टेलेंटिस का कहना है कि कर्मचारियों की दक्षता में सुधार लाने के लिए ऐसे निर्णय लिए जाते हैं।

### कई कंपनियों में हुई है छंटनी

स्टेनलेंटिस ने यह फैसला ऐसे समय में लिया है, जब अमेरिका में कई कंपनियों से लोग निकाले जा रहे हैं। कई कंपनियों ने कर्मचारियों को अचानक छंटनी की सूचना दी है। इससे पहले ट्विटर ने भी बड़े पैमाने पर लोगों की छंटनी की थी। ट्विटर के बाद गोल्डमैन सैक्स को भी आलोचना का सामना करना पड़ा। जनवरी 2024 में गूगल और एमेजॉन जैसी प्रमुख कंपनियों ने बड़े स्तर पर अपने कर्मचारियों को बाहर निकाला। अब स्टेनलेंटिस से भी कई कर्मचारियों की छंटनी की गई। कंपनी द्वारा 400 से ज्यादा लोगों को नौकरी से निकाल गया है।

## बोइंग के सीईओ डेव कैलहौन देंगे पद से इस्तीफा; सुरक्षा संकट के बीच प्रबंधन में फेरबदल करेगी कंपनी

**नई दिल्ली ।** बोइंग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेव कैलहौन अपने पद से इस्तीफा देंगे। कंपनी ने इसका एलान किया। कंपनी ने कहा कि वे हाल में हुई कई सुरक्षा घटनाओं में जांच का सामना कर रहे हैं। ऐसे में सुरक्षा कारणों के चलते कंपनी ने प्रबंधन में बदलाव का निर्णय किया है। इसी बदलाव के क्रम में डेव कैलहौन इस साल के आखिरी तक अपना पद छोड़ देंगे। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि बोइंग कमर्शियल एयरप्लेन के अध्यक्ष और सीईओ स्टेन डील भी रिटायर हो जाएंगे। उनकी जगह स्टेफनी पोप लेंगी। टेक कंपनी क्वालकॉम के पूर्व सीईओ स्टीव मोलेनकोफ को बोर्ड का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कैलहौन जो जनवरी 2020 में बोइंग के टॉप पद पर पहुंचे थे विमानों में हुई हालिया घटनाक्रमों से आहत हैं। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी इन मामलों की जांच कर रहे नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डेव कैलहौन ने कहा कि एनटीएसबी एक सक्षम संस्था है और हम उनकी ओर से उठाए गए हर कदम और उनके निष्कर्षों पर भरोसा करते हैं। अलास्का एयरलाइंस में हुए हादसे के बाद अमेरिकी नियामक ने बोईंग के 171 737 मैक्स 9 विमानों को ग्राउंडेड कर दिया है।

# भारत बन रहा निवेश की पहली पसंद; दिवालिया कानून जैसे बदलावों का दिख रहा असर

**नई दिल्ली ।**
विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारत को एक आकर्षक निवेश ठिकाना बताया है। अधिकारी ने कहा कि दिवालियापन कानून और कराधान संहिता जैसे नीतिगत बदलाओं और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर से तैयार सक्षम वातारण से भारत वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए एक बहुत ही बढ़िया निवेश स्थान बन गया है। डब्ल्यूईएफ में वित्तीय और मौद्रिक प्रणाली केंद्र के प्रमुख मैथ्यू ब्लैक ने कहा, भारत दुनिया में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले बाजारों में से एक रहा है और निवेशकों ने यहां पैसा बनाया है। वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र (जिसे फिनटेक भी कहा जाता है) उन कंपनियों से बना है जो वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करती हैं।

हालांकि, ब्लैक ने यह भी कहा कि चूंकि बाजार पूरी तरह से एक सीध में नहीं चलते हैं और उतार चढ़ाव की संभावना होती है, इसलिए निवेशकों को शिक्षित करने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, इसलिए एक जानकार निवेशक, एक विविध निवेशक होने और ऐसा करने के लिए शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच रखने का विचार वास्तव में मौलिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) है।

### भारत छोटे, महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष देशों के लिए प्रकाशस्तंभ

डब्ल्यूईएफ के मंच सेंटर फॉर फोर्थ इंडस्ट्रियल रिवोल्यूशन (सी4आईआर) की कार्यसमिति के सदस्य सेबस्टियन बकुप ने कहा कि भारत में अंतरिक्ष को लेकर उत्साह दुनियाभर से प्रतिभाओं को आकर्षित कर रहा है और उन्हें व्यवसाय शुरू करने और क्षेत्र के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित कर रहा है। सी4आईआर ने पिछले सप्ताह भारत में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कार्यक्रम शुरू किया। इसका मकसद अंतरिक्ष में रुचि रखने वाले विभिन्न देशों के बीच वैश्विक सहयोग बनाया जा सके, क्योंकि भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ रही है। उन्होंने कहा, अंतरिक्ष के क्षेत्र में कुछ करने की इच्छा रखने वाले छोटे और महत्वाकांक्षी देशों के लिए भारत को एक आदर्श, एक प्रकाशस्तंभ के रूप में देखा जाता है।

### दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में शामिल हुए डोनाल्ड ट्रंप, इतने अरब डॉलर पहुंची कुल संपत्ति

**वॉशिंगटन ।** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। ट्रंप की कुल संपत्ति में चार अरब डॉलर की वृद्धि हुई है। इसके साथ ही ट्रंप ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स पर 500 सबसे अमीर लोगों की श्रेणी में शामिल हो गए। बड़े पैमाने पर रियल एस्टेट संपत्तियां डोनाल्ड ट्रंप की कंपनी ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के कार्यकारी उपाध्यक्ष एरिक ट्रंप ने कहा है कि हमारे पास एक बड़ी कंपनी है और हम अविश्वसनीय रूप से सम्मानित महसूस कर रहे हैं। 77 साल के ट्रंप की संपत्ति पहले 3.1 बिलियन के शिखर पर थी। इसमें बड़े पैमाने पर रियल एस्टेट संपत्तियां शामिल हैं। इनकी बराबरी पर पहुंचे ट्रंप ब्लूमबर्ग द्वारा साल 2015 से ट्रम्प की कुल संपत्ति का आंकलन किया जा रहा है। हालिया रिपोर्ट में ट्रंप की संपत्ति जो रिकेट्स, गॉर्डन गेटी और टोनी जेम्स के बराबर हो गई है। यह आंकड़ा राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों की प्रमुख रियल एस्टेट होल्डिंग्स से जुड़ी सार्वजनिक फाइलिंग और स्टाफ रिपोर्टिंग पर आधारित है। मुश्किल में पड़ने वाले थे ट्रंप डोनाल्ड ट्रम्प का व्यापारिक साम्राज्य खतरे में पड़ने वाला था। इसके बजाय, यह दिन उनके लिए सबसे बड़ा दिन बन गया। दरअसल एक घोखाधड़ी के मुकदमे में ट्रंप को 500 मिलियन डॉलर से अधिक का बॉन्ड भरना था। इसके बाद उनकी अपील पर कोर्ट ने इस राशि को 175 मिलियन डॉलर कर दिया था। ठीक उसी समय उनकी सोशल मीडिया कंपनी ट्रम्प मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप ने डिजिटल वर्ल्ड एक्विजिशन कॉर्प के साथ 29 महीने से लंबित विलय प्रक्रिया को पूरा कर लिया। इसका फायदा यह हुआ कि अरबों डॉलर के शेयर अब आधिकारिक तौर पर ट्रम्प के हैं। उनकी संपत्ति में कुल मिलाकर चार बिलियन डॉलर से ज्यादा वृद्धि हो गई। इसके साथ ही वह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में शामिल गए।

# 56वीं राष्ट्रीय खो खो चैम्पियनशिप में होगी 73 टीमों की टक्कर

**नई दिल्ली ।**
खो खो को लेकर उम्मीद और उत्साह बढ़ने वाला है, क्योंकि 56वीं राष्ट्रीय खो खो चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने के लिए 73 टीमें तैयार हैं।

देश भर के 37 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और इकाइयों के 1,332 खिलाड़ियों, कोचों और प्रबंधकों सहित 73 टीमों की रिकॉर्ड-तोड़ भागीदारी के साथ, यह कार्यक्रम एक शानदार और रोमांचक टूर्नामेंट होने का वादा करता है।

भारतीय खो खो महासंघ (केकेएफआई) के अंतर्गत आने वाली दिल्ली खो खो एसोसिएशन (केकेएडी) द्वारा आयोजित यह चैंपियनशिप 27 मार्च को शुरू होने वाली है।

देश के हर कोने से टीमें खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए जुटेंगी, जिससे उत्साह और रोमांचक प्रतिस्पर्धा का माहौल बनेगा।

निष्पक्ष खेल और मैचों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को उजागर करते हुए, चैंपियनशिप में 100 तकनीकी अधिकारियों की सेवाएं ली जाएंगी।

इसके अतिरिक्त, केकेएफआई के 50 पदाधिकारियों, दिल्ली के खो खो एसोसिएशन के 100 अधिकारियों और 200 अधिकारी की एक समर्पित टीम सभी प्रतिभागियों और दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास करेगी।

केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, हम देश भर से इतनी जबरदस्त भागीदारी के साथ 56वीं राष्ट्रीय खो खो चैंपियनशिप की मेजबानी करके रोमांचित हैं।

खो खो सिर्फ एक खेल नहीं है; यह भारत के लोगों के लिए एक भावना है। यह एक सांस्कृतिक घटना है जो लोगों को एक साथ लाती है। हमें प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने और खो खो की अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए एक मंच प्रदान करने पर गर्व है।

कड़ी प्रतिस्पर्धा के अलावा, चैंपियनशिप अल्टीमेट खो खो फ्रेंचाइजी के लिए महत्व रखती है, क्योंकि इस आयोजन के दौरान पहचाने गए प्रतिष्ठित खिलाड़ियों को इस साल अल्टीमेट खो खो लीग के आगामी तीसरे सत्र से पहले उनकी टीमों के ड्राफ्ट में जगह मिल सकती है।

इसके अलावा, केकेएफआई का इरादा सितंबर 2024 में इंग्लैंड में खो खो विश्व कप की मेजबानी करने का है, जिसमें 5 महाद्वीपों की दोनों श्रेणियों में 12 टीमों की भागीदारी होगी, जिसका लक्ष्य आने वाले वर्षों में एशियाई खेलों और ओलंपिक में इस खेल को शामिल करना सुनिश्चित करना है।

चैंपियनशिप रणनीति और टीम वर्क का प्रदर्शन करने का वादा करती है, जिसमें खिलाड़ी मैदान पर अपनी चपलता और सामरिक कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

प्रसार भारती, इस चैंपियनशिप के लिए आधिकारिक प्रसारण भागीदार होने के नाते, डीडी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों के सभी क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मैचों का लाइव टेलीकास्ट करेगी।

## न्यूज ब्रीफ

### आईपीएल में आज आमने-सामने होंगी मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद, शाम 7.30 बजे शुरू होगा मुकाबला

**हैदराबाद ।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। ये दोनो ही टीमें अपना पहला मुकाबला हारी हैं, ऐसे में इन दोनो का ही लक्ष्य इस मैच में जीत से शुरुआत करना रहेगा। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में उतरी पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस को अपने पहले ही मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था जिससे टीम को झटका लगा है। टीम ये मैच जीत के करीब पहुंचकर भी हार गयी थी। इस मैच में केवल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह , डेवाल्ड ब्रेविस के अलावा शीर्ष क्रम में रोहित शर्मा ही बेहतर प्रदर्शन कर पाये थे। इस मैच में मुंबई के खिलाड़ी जिस प्रकार दबाव में ढ़हे उससे भी टीम की मुश्किलें बढ़ी हैं। पहली बार मुंबई की कप्तानी कर रहे हार्दिक पांड्या इस मैच में सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आये पर असफल रहे। उन्हें इस पर अपनी रणनीति पर फिर से विचार करना होगा क्योंकि पिछले साल गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए उन्होंने ऊपरी क्रम में अच्छा प्रदर्शन किया था। सलामी बल्लेबाज इशान किशन केवल चार गेंद का सामना कर पाए थे और अब टीम को उनसे अच्छी शुरुआत की उम्मीद होगी। टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए इशान का लक्ष्य इस मैच में बेहतर बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कर लय हासिल करने के साथ ही भारतीय टीम में वापसी का प्रयास करना रहेगा। मुंबई को स्पिनर शम्स मुलानी और पीयूष चावला से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेंगी। वहीं दूसरी ओर पैट कमिंस की कप्तानी में उतरी सनराइजर्स की बात है तो उसका हाल भी मुम्बई की तरह ही रहा है। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पिछले मैच में हेनरिक क्लासेन की शानदार पारी से एक समय टीम जीत के करीब पहुंच गयी पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे जिससे टीम हार गयी। मयंक अग्रवाल और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी थी पर वे बड़ी पारी नहीं खेल पाये। सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाज अब्दुल समद को भी अब अपने को साबित करना होगा। वहीं पहले मैच में गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार ने अच्छी शुरुआत की थी पर बाद में वह अपनी निरंतरता नहीं रख पाये। इस कारण अब उनका भी प्रयास अपनी लाइन व लैंथ बनाये रखना रहेगा। कुल मिलाकर देखें तो इस मैच में दोनो ही टीमें दबाव में रहेंगी जिससे भी इस मैच रोमांचक खेल देखने को मिलेगा। दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह इस प्रकार हैं : सनराइजर्स हैदराबाद : पैट कमिंस (कप्तान), मयंक अग्रवाल, राहुल त्रिपाठी, एडेन मार्कराम, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, मार्को जानसन, भुवनेश्वर कुमार, मयंक मार्कंडे, टी नटराजन, अभिषेक शर्मा। मुंबई इंडियंस : हार्दिक पांड्या (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, नमन धीर, तिलक वर्मा, टिम डेविड, शम्स मुलानी, गेराल्ड कोएत्ज़ी, पीयूष चावला, जसप्रीत बुमराह, ल्यूक वुड, डेवाल्ड ब्रेविस।

### 26 मई को चेन्नई में खेला जाएगा आईपीएल फाइनल

**मुम्बई ।** भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के पूरे सत्र का कार्यक्रम जारी कर दिया है। बीसीसीआई ने शुरुआत में पहले चरण के मैचों का ही कार्यक्रम जारी किया था पर आम चुनावों की तारीखें सामने आने के बाद उसने अब सभी मैचों का कार्यक्रम जारी कर दिया है। बीसीसीआई के अनुसार दूसरा क्वालीफायर 24 मई को चेन्नई में होगा। वहीं 26 मई को चेन्नई के ही चेपॉक स्टेडियम में खिताबी मुकाबला होगा। सीएसके ने पिछली बार खिताब जीता था इसी लिए परंपरा के आधार पर चेन्नई को फाइनल की मेजबानी मिली है। परंपरा के अनुसार पिछले चैम्पियन को पहले और अंतिम मैच की मेजबानी का मौका मिलता है। इसलिए पहला मैच भी चेन्नई में ही हुआ था। . आईपीएल के इस सत्र की शुरूआत 22 मार्च से हुई थी पर तब पहले दो सप्ताह का ही कार्यक्रम जारी किया गया था। वहीं दो अन्य प्लेआफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 21 और 22 मई को खेले जायेंगे। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा ,'' आगामी लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम को देखते हुए बाकी का कार्यक्रम तैयार किया गया है। पहला क्वालीफायर 21 मई को और एलिमिनेटर 22 मई को अहमदाबाद में खेला जायेगा। वहीं दूसरा क्वालीफायर और फाइनल चेन्नई में खेला जाएगा। फाइनल 26 मई को चेन्नई में होगा।'' चेपॉक पर आईपीएल फाइनल होगा क्योंकि वहां लोकसभा चुनाव के लिये मतदान 19 अप्रैल को ही पूरा हो जायेगा। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के पांच मैच 20, 24, 27 अप्रैल, सात और 14 मई को दिल्ली में होंगे। दिल्ली में मतदान 25 मई को है। पंजाब किंग्स के दो मैच पांच और नौ मई को सीएसके और आरसीबी के खिलाफ धर्मशाला में खेले जायेंगे जबकि राजस्थान रॉयल्स गुवाहाटी में 15 मई को पंजाब किंग्स और 19 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना करेगी।

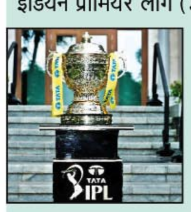


# सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की दौड़ में श्रीजेश-हरमन सविता पूनिया भी जीत सकती हैं कई अवॉर्ड

**नई दिल्ली ।**
भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी गोलकीपर पी आर श्रीजेश और भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान और गोलकीपर सविता पूनिया हॉकी इंडिया के वार्षिक सम्मान समारोह में कई पुरस्कार पा सकते हैं। दोनों को क्रमश: पुरुष और महिला वर्ग में साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी सम्मान की दौड़ में नामित किया गया है। हॉकी इंडिया के वार्षिक पुरस्कारों का एलान 31 मार्च को होगा। पूर्व कप्तान श्रीजेश और सविता भारत के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक रहे हैं और उन्हें साल के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर पुरस्कार के लिए भी नामांकित किया गया है।

### हरमनप्रीत भी कई पुरस्कारों के लिए नामांकित

भारत की पुरुष टीम के कप्तान और डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह को भी दो श्रेणियों में शॉर्टलिस्ट किया गया है। वह वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के साथ-साथ वर्ष के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर पुरस्कार के लिए भी दावेदार होंगे। दोनों श्रेणियों में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को 25-25 लाख रुपये मिलेंगे, जबकि सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार जीतने वाले खिलाड़ी को पांच लाख रुपये मिलेंगे। हॉकी इंडिया ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि आठ अलग-अलग श्रेणियों से कुल 32 नामांकनों को कुल 7.56 करोड़ रुपये के पुरस्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।

### हॉकी इंडिया ने क्या कहा

हॉकी इंडिया ने कहा- इस समारोह में शीर्ष पुरस्कार हॉकी इंडिया मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड का होगा और इसके विजेता को 30 लाख रुपये मिलेंगे। यह सम्मान उन्हें मिलेगा, जिन्होंने वर्षों से इस खेल को असाधारण योगदान दिया हो। हॉकी इंडिया उन्हें सम्मानित करेगा।

### ये पुरस्कार भी दिए जाएंगे

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ उभरते सितारे (पुरुष) के लिए जुगराज सिंह पुरस्कार और वर्ष के सर्वश्रेष्ठ उभरते सितारे (महिला) के लिए असुंता लाकड़ा पुरस्कार दिए जाएंगे। ये मूलत: अंडर-21 खिलाड़ियों के लिए हैं। इस दौरान विजेता खिलाड़ी को 10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। वर्ष के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर के लिए परगट सिंह पुरस्कार, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर के लिए अजीत पाल सिंह पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड के लिए धनराज पिल्लै अवॉर्ड के साथ पांच लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाता है। इन श्रेणियों में पुरुष और महिला खिलाड़ी एक साथ नामांकित होते हैं और उनमें से कोई एक विजेता होता है।

### हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ने क्या कहा

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप कुमार टिर्की ने कहा, हाल के दिनों में पुरुष और महिला दोनों टीमों द्वारा दिखाए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए, नामांकित व्यक्तियों का चयन करना एक चुनौतीपूर्ण काम साबित हुआ। वहीं, महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, ये पुरस्कार समर्पण, प्रतिभा और जुनून के प्रमाण के रूप में काम करते हैं जो हमारे एथलीट, कोच, अंपायर और अधिकारी दिन-ब-दिन मैदान में लाते हैं।

**हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कारों के लिए नामांकन इस प्रकार हैं-**

**वर्ष का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर:** मोहित एचएस, पीआर श्रीजेश, सविता पुनिया, कृष्ण बहादुर पाठक।

**वर्ष का सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर:** दीप ग्रेस एक्का, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, उदिता।

**मिडफील्डर ऑफ द ईयर:** सलीमा टेटे, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, नवनीत कौर।

**फॉरवर्ड ऑफ द ईयर:** वंदना कटारिया, अभिषेक, सुखजीत सिंह, मनदीप सिंह।

**वर्ष का सर्वश्रेष्ठ उभरता सितारा (21 वर्ष से कम आयु की महिलाएं):** वैष्णवी विठ्ठल फाल्के, दीपिका, दीपिका सोरेंग, सुनेलिता टोप्पो।

**वर्ष का सर्वश्रेष्ठ उभरता सितारा (21 वर्ष से कम आयु के पुरुष):** उत्तम सिंह, अमीर अलीविष्णुकांत सिंह, अरजीत सिंह हुंदल।

**वर्ष की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (महिला):** सविता पुनिया, सलीमा टेटे, वंदना कटारिया, नवनीत कौर।

**वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (पुरुष):** पी.आर. श्रीजेश, अभिषेक, हार्दिक सिंह, हरमनप्रीत सिंह।

# सेमीफाइनल में मिली हार के साथ किदांबी श्रीकांत का सफर समाप्त, लिन चुन-यी ने हराया

**नई दिल्ली ।**
किदांबी श्रीकांत की स्विस ओपन 2024 यात्रा का दुर्भाग्यपूर्ण अंत हो गया क्योंकि भारत के शीर्ष शटलर को सेंट जैकबशाले मैदान में पुरुष एकल सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत एक घंटे और पांच मिनट तक चले अंतिम चार मैच में दुनिया के 22वें नंबर के चीनी ताइपे के लिन चुन-यी के खिलाफ 21-15, 9-21, 18-21 से हार गए। नवंबर 2022 के बाद से यह श्रीकांत की पहली सेमीफाइनल उपस्थिति थी।

### सेमीफाइनल मैच में चूके श्रीकांत

पूर्व विश्व नंबर एक भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने मैच की शानदार शुरुआत की और अपने आक्रामक स्मैश और बेहतरीन नेट प्ले की बदौलत शुरुआती गेम 21-15 से जीत लिया। हालांकि, दूसरे गेम में 31 वर्षीय श्रीकांत को अपने प्रतिद्वंद्वी से आगे रहने के लिए संघर्ष करना पड़ा। दूसरे गेम में श्रीकांत की 4-1 की बढ़त के बावजूद चुन-यी ने तेजी से स्कोर 6-5 कर दिया।

### स्विस ओपन में बचे एकमात्र भारतीय शटलर थे श्रीकांत

जब स्कोर 7-10 था, तो चीनी ताइपे के शटलर ने लगातार सात अंक जीत लिए, जिससे गेम श्रीकांत की पहुंच से बाहर हो गया। निर्णायक गेम में चुन-यी ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए 4-1 की बढ़त ले ली। हालांकि, आधे समय तक श्रीकांत को 11-10 की मामूली बढ़त हासिल थी। दोनों के बीच अंत तक कांटे की टक्कर देखने को मिली, जब चुन-यी ने लगातार तीन अंक लेकर स्कोर 16-16 कर दिया। श्रीकांत ने कुछ अप्रत्याशित गलतियां भी कीं, जिससे उनके प्रतिद्वंद्वी को खेल पर नियंत्रण हासिल करने और मुकाबला जीतने में मदद मिली। श्रीकांत स्विस ओपन में बचे एकमात्र भारतीय शटलर थे। प्रियांशु राजावत और किरण जॉर्ज क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गए, जबकि ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद भी आगे बढ़ने में असफल रहे।

# आगामी पेरिस ओलंपिक में सात्विक-चिराग और सिंधु से भारत को रहेगी पदकों की उम्मीद

**नई दिल्ली ।**
आगामी पेरिस ओलंपिक में भारत को बैडमिंटन में पदक मिलने की उम्मीदे हैं। युगल में जहां सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी। वहीं महिला एकल में पी वी सिंधु पदक की प्रबल दावेदार हैं। चोट के बाद वापसी करते हुए सिंधु ने भारतीय महिला टीम को बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जिताया था। वहीं सात्विक और चिराग का सफर भी बेहतरीन रहा है। इस जोड़ी ने 2023 चीन ओपन और मलेशिया ओपन सुपर 1000 तथा इंडिया ओपन सुपर 750 में लगातार खिताब जीते थे। जिससे वह इस सत्र में दुनिया की नंबर एक युगल जोड़ी बन गये ।सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी अभी विश्व में नंबर एक जोड़ी है। ऐसे में वह पदक जीतने की प्रबल दावेदार होगी। वहीं दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधु भी लय में आ रही हैं और वह फिर से पेरिस में पदक दिला सकती हैं। भारतीय बैडमिंटन टीम के मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद भी काफी उत्साहित हैं। उनका कहन है कि भारतीय टीम पेरिस ओलंपिक में अधिक से अधिक पदक जीत सकती है।

# कसुन रजित ने मारा पंजा, बांग्लादेश ने अपने घर में किया सरेंडर; श्रीलंका ने विशाल अंतर से जीता पहला टेस्ट

**नई दिल्ली ।**
कसुन रजित (5 विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका ने पहले टेस्ट में बांग्लादेश को 328 रन के विशाल अंतर से मात दी। श्रीलंका ने इस जीत के साथ ही तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। बांग्लादेश ने सिलहट में खेले गए मुकाबले में चौथे दिन अपनी पारी 47/5 के स्कोर से आगे बढ़ाई। मोनिमुल हक (87*) क्रीज पर अंत तक डटे रहे, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें मजबूत साथ नहीं मिला। ताईजुल इस्लाम (6) दिन में आउट होने वाले पहले बल्लेबाज रहे, जिन्हें रजित ने एलबीडब्ल्यू आउट किया।

### रजित ने बांग्लादेश को समेटा

यहां से मोनिमुल हक ने मेहदी हसन मिराज (33) के साथ सातवें विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी करके बांग्लादेश को 100 रन के पार लगाया। कसुन रजित ने मिराज को डी सिल्वा के हाथों कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। फिर शरीफुल इस्लाम (12) के साथ हक ने आठवें विकेट के लिए 47 रन की साझेदारी की। कसुन रजित ने फिर इस्लाम का कैच अपनी ही गेंद पर पकड़ा और बांग्लादेश को हार के करीब धकेल दिया। अगली ही गेंद पर रजित ने खालीद अहमद को मेंडिस के हाथों कैच आउट कराकर अपना पांचवां शिकार पूरा किया। फिर लाहिरू कुमार ने नाहिद राणा को सिल्वा के हाथों बांग्लादेश की पारी समेट दी।

### श्रीलंका को मिली बढ़त

मोनिमुल हक 148 गेंदों में 12 चौके और एक छक्के की मदद से 87 रन बनाकर नाबाद रहे। हक अपना शतक पूरा करने से चूक गए। श्रीलंका की तरफ से कसुन रजित ने सबसे ज्यादा पांच विकेट लिए। विश्वा फर्नांडो ने तीन विकेट लिए। लाहिरू कुमार के खाते में दो विकेट आए। याद दिला दें कि श्रीलंका ने सिलहट में पहली पारी में 280 रन बनाए, जिसके जवाब में बांग्लादेश की पहली पारी 188 रन पर ऑलआउट हुई। ऐसे में श्रीलंका को पहली पारी के आधार पर 92 रन की बढ़त मिली। श्रीलंका ने दूसरी पारी में 418 रन बनाए और बांग्लादेश के सामने जीतने के लिए 511 रन का विशाल लक्ष्य रखा। बांग्लादेश की दूसरी पारी 182 रन पर सिमटी।

श्रीलंका के कप्तान धनंजय डी सिल्वा (102 और 108) को दोनों पारियों में शानदार शतक जमाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच सीरीज का दूसरा टेस्ट 30 मार्च से चट्टोग्राम में खेला जाएगा।

## पर्थ टेस्ट से शुरू होगा भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा

# पहला टेस्ट 22 नवंबर से, 7 जनवरी तक चलेगी सीरीज; आखिरी मैच सिडनी में

**नई दिल्ली ।**
टीम इंडिया इस साल नवंबर में 5 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। पहला मुकाबला 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। सीरीज का आखिरी मैच 3 जनवरी से सिडनी में शुरू होगा।

टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 10 साल से कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारी। टीम ने कंगारुओं को उन्हीं के घर में 2 बार और अपने घर में भी 2 बार हराया है। हर बार जीत का अंतर 2-1 से भारत के पक्ष में रहा।

### गाबा में इस बार होगा तीसरा टेस्ट

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2024-25 सीजन का शेड्यूल जारी किया। 22 नवंबर को पर्थ में पहला टेस्ट होगा। इसके बाद 6 दिसंबर से एडिलेड में डे-नाइट टेस्ट खेला जाएगा। फिर ब्रिसबेन के द गाबा मैदान पर 14 दिसंबर से तीसरा टेस्ट और मेलबर्न में 26 दिसंबर से चौथा टेस्ट होगा। आखिरी टेस्ट 3 जनवरी 2025 से सिडनी में खेला जाएगा। भारत के अलावा पाकिस्तान टीम भी 3 वनडे और 3 टी-20 मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगी।

### वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 साइकल में भारत की आखिरी अवे सीरीज

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के एक सीजन में हर टीम को 2 साल के टाइम पीरियड में 6 सीरीज खेलनी होती हैं, तीन अपने घर में और तीन घर के बाहर। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 साइकल में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही आखिरी अवे (घर से बाहर) सीरीज खेलेगी। भारत ने विदेश में साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज का दौरा किया। साउथ अफ्रीका में 2 टेस्ट की सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज भारत ने 1-0 से जीती। भारत को अब घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 और बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। घर में पिछली 17 सीरीज जीत चुकी टीम इंडिया इन सीरीज को जीतने की भी प्रबल दावेदार है। टीम इंडिया ने इस वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की एकमात्र होम सीरीज इंग्लैंड के खिलाफ 4-1 से जीती।

### भारत ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के 9 में से 6 मैच जीते

टीम इंडिया अब तक वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल में 3 में से 2 सीरीज जीत चुकी है। टीम ने अब तक कुल 9 मुकाबले खेले, 6 में जीत मिली और महज 2 में टीम को हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज के खिलाफ एक मुकाबला ड्रॉ भी रहा। टीम इंडिया के 3 सीरीज से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल में 68.51 प्रतिशत पॉइंट्स हो गए, टीम पहले नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया डिफेंडिंग चैंपियन, न्यूजीलैंड ने जीता पहला खिताब टीम इंडिया ने अब तक दोनों वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाई लेकिन दोनों बार टीम को हार का सामना करना पड़ा। 2021 में न्यूजीलैंड ने 8 विकेट से फाइनल जीता। जबकि 2023 में ऑस्ट्रेलिया ने 209 रन से फाइनल जीता। अब जून 2025 में एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल हो सकता है। क्योंकि दोनों टीमें पॉइंट्स टेबल के टॉप-2 पोजिशन पर है।

### क्या है वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल का एक टूर्नामेंट है। इसकी शुरुआत साल 2019 में हुई। चैंपियनशिप में टेस्ट खेलने वाली 9 टीमें हिस्सा लेती हैं। सभी टीमों की निर्धारित सीरीज खत्म होने के बाद पॉइंट्स टेबल की टॉप-2 टीमें फाइनल में पहुंचती हैं।

# तपती गर्मी में घर को ऐसे रखें कूल

लोग मौसम के हिसाब से अपने घर का मेकओवर करते हैं। गर्मी के मौसम में घर को ठंडा रखना बहुत जरूरी है। घर ठंडा होने से कई बीमारियां दूर होती है। इस मौसम में अपने घर को कूल रखने के लिए गार्डन थीम चूनें। आज हम आपको बताते हैं कि आप इस मौसम में घर कैसे कूल रख सकते है।

1. कमरों में लाइट कलर के पर्दे लगाएं। हल्के रंग के पर्दे धूप से बचाते है। आप अपने कमरे में जितने लाइट कलर के पर्दे लगाएंगे उतना ही आपका कमरा ठंडा होगा।

2. घर को ठंडा रखने के लिए सुबह शाम दोनों टाइम घर की छत पर पानी का छिड़काव करें। इससे घर की दीवारों का तापमान कम होगा।

3. कमरे में लाइट कलर के पिलो और बेडशीट का इस्तेमाल करें। यह देखने में अच्छे लगते है।

4. रंगबिरंगे फूल, हरी पत्तियों वाली सीनरीज कमरे में लगाएं। इससे ठंडक का अहसास होगा। घर में ठंडक बनाए रखने के लिए कमरे में बिछे कालीन को हटा दें। इससे फर्श ठंडा रहेगा। गर्मी के दिनों में ठंडे फर्श पर नंगे पैर चलने से ठंडक महसूस होती है।

5. अगर आप गर्मियों में कूलर का इस्तेमाल करते है तो कमरे में जालीदार खिड़की लगाएं ताकि ताजी हवा भी कमरे में आ सके। इसके अलावा कूलर चलने से क्रास वेंटीलेशन होने से भी कमरा ठंडा बना रहता है। आप चाहें तो इंटीरियर डिजाइनर की हेल्प लेकर भी घर को ठंडा रख सकते है।

सौंदर्य

## राउंड फेस पर मेकअप के दौरान ध्यान रखें ये 6 बातें

गोल चेहरे पर मेकअप करते समय कुछ खास बातों पर ध्यान देना जरूरी होता है। अगर आपका चेहरा भी गोल है तो यहां आपके लिए कुछ मेकअप टिप्स दी जा रही हैं। इन्हें फॉलो करके आप खुद को ग्लैमरस और अट्रैक्टिव लुक दे सकती हैं...

» अगर आपका फेस राउंड है तो सबसे पहले इसे लॉन्ग टच देने की कोशिश करें। दरअसल, फुल राउंड फेस पर ड्रेस और जूलरी उतनी अट्रैक्टिव नहीं लगती। इसलिए जरूरी है इस फेस शेप पर हल्का सा चेंज लाना।

» फेस पर स्किन टोन से मैच करता डार्क कलर का फाउंडेशन लगाएं। इसके बाद ब्लशर से चीकबोंस को हाइलाइट करें। चीकबोंस जितना हाईलाइट होगा, फेस उतना ही लॉन्ग दिखाई देगा।

» कानों में पतले और लंबे ईयरिंग्स पहनें। इससे फेस हल्का-सा ओवल दिखेगा। अगर आपकी नेक भी चेहरे की तरह गोल और मोटी है, तो न्यूड शेड्स मसलन, पीच, पर्ल, सिल्वर और वाइट कलर की माला पहनें।

» अगर आपकी गर्दन की लंबाई कम है और फेस गोल है तो आप पर नीचे से राउंड शेप हेयरस्टाइल अच्छी लगेगी। यह फेस को लंबा दिखाने के साथ बैलेंस्ड लुक पाने में हेल्प करेगी।

» अगर डबल चिन है, तो लेयर्स हेयरस्टाइल अपनाएं। आप पर बीच की मांग भी बहुत सुंदर लगेगी।

» लंबी बिंदी लगाएं। हां, एकदम स्ट्रेट, आयरन किए हुए बाल आपको सूट नहीं करेंगे। चीकबोंस और जॉ लाइन तक आते लंबे ब्लंट कट हेयर स्टाइल से बचें। इससे चेहरा चौड़ा लगता है। राउंड फेस पर बालों को कर्ली लुक भूलकर भी न दें।

# किलों का शहर है चित्तौड़गढ़

**राजस्थान के अरावली पहाड़ों पर खड़ा चित्तौड़गढ़ किला भक्ति और शक्ति की नगरी है। पत्थर इतिहास की कहानियां बयान करते नहीं थकते। ज्यादातर हिन्दुस्तानी टूरिस्ट्स चित्तौड़गढ़ की सैर को तीर्थ मानते हैं। यहां मेवाड़ के गौरवमय जीवन की झांकी से रूबरू होने का मौका मिलता है। असल में छोटा-सा शहर राजस्थान की सबसे ज्यादा गाथाओं से भरा है। चित्तौड़गढ़ से शुरू मेवाड़ राज्य की 76वीं पीढ़ी के राणा अरविन्द सिंह मेवाड़ उदयपुर के सिटी पैलेस में रहते हैं।**

### टेढ़े-मेढ़े पहाड़ी रास्ते

टेढ़े-मेढ़े रास्तों के किला रोड पर जरा-जरा दूरी पर राम पोल, लक्ष्मण पोल, बड़ी पोल, सूरज पोल वगैरह नाम के एक के बाद एक सात दरवाजों को पार कर चित्तौड़गढ़ किले में दाखिल होते हैं। किले की चौड़ाई एक किलोमीटर से कम ही है, लेकिन दीवार 5 किलोमीटर का घेरा तय करती है। किला इतना बड़ा है कि कार में घूमते हुए देखने में भी घंटों लग जाते हैं। सबसे पहले तुलजा भवानी मन्दिर आता है। यह आज खंडहर है, फिर भी देश-विदेश से टूरिस्ट्स दीदार करने आते हैं। लम्बे-चौड़े किले के भीतर सबसे अहम स्थल हैं- विजय स्तम्भ और कीर्ति स्तम्भ। विजय स्तम्भ यानी विक्ट्री टावर राणा कुम्भा ने 1440 में युद्ध जीतने के बाद बनवाया था। उधर कीर्ति स्तम्भ का निर्माण जैन तीर्थंकर आदिनाथ की स्मृति में किया गया था।

कम खासमखास नहीं है राणा कुम्भा का महल। बेशक आज खंडहर है, लेकिन यही अब भी किले की सबसे बड़ी इमारत है। यहीं रानी पद्मिनी 'जौहर' में कूदकर सती हुई थीं। फतेह प्रकाश महल में म्यूजियम है और मन्दिर भी कई हैं- काली माता मन्दिर, मीरा बाई मन्दिर वगैरह। मीरा मन्दिर कुंभास्वामी मन्दिर परिसर के दक्षिण में स्थित है। इसके सामने चार स्तम्भों पर आधारित एक छतरी बनी है। माना जाता है कि मीरा बाई ने अपने गुरू की स्मृति में इसका निर्माण करवाया था। मूलरूप से वराह को समर्पित मन्दिर का पुर्ननिर्माण महाराणा कुम्भा (1433-68) ने करवाया।

### बड़े किलों में एक

चित्तौड़गढ़ किला देश के गिने-चुने बड़े और नामी किलों में से एक है। किला 180 मीटर ऊंचे पहाड़ पर बना है और करीब 700 एकड़ इलाके में फैला है। किला बहुतेरे ऐतिहासिक घटनाक्रमों का गवाह रहा है। किले का निर्माण 7वीं सदी में मौर्य वंश के शासनकाल के दौरान हुआ था। अगले 834 साल तक किला मेवाड़ की राजधानी के रूप में खड़ा रहा।

हालांकि 15वीं से 16वीं सदी के बीच किले को तीन दफा लूटा गया। 1303 में अल्लाउद्दीन खिलजी ने रानी पद्मिनी को अपने हरम के लिए राणा रतन सिंह से युद्ध लड़ा और पराजित किया। फिर 1535 में गुजरात के सुल्तान बहादुर शाह ने राजा विक्रमजीत सिंह को हराया। 1567-68 में मुगल बादशाह अकबर ने महाराणा उड़ाई सिंह द्वितीय के समय में किले की घेराबंदी कर दी। आखिरकार 834 साल तक मेवाड़ की राजधानी चित्तौड़गढ़ किले को त्याग कर, उदयपुर शिफ्ट किया गया। हालांकि 1616 में, मुगल बादाशाह जहांगीर ने किला राजपूतों को सौंप दिया।

दिलचस्प है कि महाभारत में भी चितौड़ का उल्लेख है। पौराणिक ग्रंथों के मुताबिक वास्तव में, इस किले का निर्माण कार्य पांडवों के भाई भीम ने ही प्रारम्भ किया था। हुआ यूं कि बलवान भीम ने यहीं जल में अपनी अद्भुत शक्ति का प्रदर्शन किया था। तभी भीमतल कुंड का उदय हुआ। बाद में, यही कुंड भीमा के नाम से जाना जाने लगा।

### बीता कल और बलिदान

चित्तौड़ की महिलाओं के बलिदान और वीरता की कहानियां आज भी खंडहर हो चुके महल में गूंज रही हैं। पद्मिनी महल है। यहीं रानी पद्मावति ने आग की लपटों के हवाले होकर 'जौहर' रचा था। अलाउद्दीन खिलजी से हारते हुए जानकर, रानी ने शाही परिवार की तमाम महिलाओं के संग जौहर में छलांग लगा दी थी। (जलती चिता में खुद को आग की लपटों के हवाले करने को जौहर कहते हैं) जीत के बावजूद जब तक खिलजी पद्मिनी को हासिल कर पाता, वह आग में समा चुकी थी।

चित्तौड़ की ही पन्ना दाई की कुर्बानी को कौन भूला सकता है? उन्होंने राज गद्दी के भावी वारिस नवजात शिशु उदय को फल-सब्जी की टोकरी में लुका-छुपा कर कुम्भलगढ़ भेज दिया। उसके बदले उदय की हमउम्र के अपने बेटे का कत्ल करवा दिया। इतिहास में दर्ज है कि बाद में, राणा उदय सिंह ही उदयपुर के जनक बने। यही नहीं, चित्तौड़ की गलियों-कूचों में रानी मीरा बाई की कथाएं गूंजती रही हैं। कृष्ण के प्रेम में रमी मीरा बाई का विवाह भी मेवाड़ के राजा से हुआ था। मेवाड़ की रानी बनने के बावजूद वह कृष्ण भक्ति में लीन रही।

एक खास बात और- किले के भीतर झीलें हैं, बाग हैं और शरीफा (सीताफल) के बागान भी। यहां का शरीफा आज भी सारे देश में खाया जाता है। चित्तौड़ के बाजारों में लकड़ी के रंगदार खिलौने मिलते हैं। गंगराई चमड़े की जूतियां यहां खूब बनती और बिकती हैं। और चित्तौड़ की सौगात है सोने की थेवा जूलरी। हिन्दी प्रदेश है, फिर भी, लोकभाषा मेवाड़ी है।

1 घंटे की फ्लाइट, आगे सड़क से 2 घंटे दूर राजस्थान में राजो-रजवाड़ों का शहर है चित्तौड़गढ़। दिल्ली से करीब 585 किलोमीटर दूर है। दिल्ली से सड़क के रास्ते पहुंचने में 12 घंटे लगते हैं। और ट्रेन से करीब 16 घंटे। उदयपुर सबसे नजदीकी एयरपोर्ट है। सीधी फ्लाइट से दिल्ली से उदयपुर पहुंचने में एक घंटा लगता है। आगे टैक्सी से चित्तौड़गढ़ करीब 2 घंटे की सड़क दूरी पर है- लगभग 120 किलोमीटर परे। गर्मियों में तपिश सहन से परे होती है। इसलिए सर्दियों में जाना बेहतर है।

### नजदीक ही है नहारगढ़

चित्तौड़गढ़ से बस्सी, सीता माता सेंचुरी वगैरह से आगे नहारगढ़ है। टैक्सी करीब एक घंटे में पहुंचाती है। नहारगढ़ की खासियत है किला और कुदरती झील के बीचोंबीच जस्टा होटल ऐंड रिजॉर्ट। बोट से ही होटल में आते-जाते हैं। सुबह-सवेरे सूर्योदय का नजारा देखने लायक है। इतिहास बताता है कि नहारगढ़ रिजोर्ट पहले शिकारगाह था। इसे रलावता के महाराजा नहार सिंह ने खरीदा और फिर, उनके बेटे राजा जितेन्द्र सिंह राठौड़ ने शिकारगाह को महल में तब्दील कर दिया।

सौंदर्य

## सिर्फ दांत ही नहीं, स्किन के लिए भी फायदेमंद है दातून

आज लगभग हर घर में दांत साफ करने के लिए लोग टूथब्रश का ही इस्तेमाल करते हैं, लेकिन ब्रश के भी पहले से दांतों को साफ रखने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले दातून के फायदों के बारे में जानकर आप शायद टूथब्रश की बजाय दोबारा दातून का ही इस्तेमाल करने लगेंगे। दातून न केवल सेहत व बौद्धिक क्षमता के लिए बेहतर है बल्कि धर्म और अध्यात्म की दृष्टि से भी इसे बेहतर माना जाता है। दरअसल दातून प्राकृतिक रूप से किया जाने वाला टूथब्रश हैआज जानते हैं दातून के फायदे ।

### आयुर्वेद में है विशेष महत्व

आयुर्वेद की दंतधावन विधि में अर्क, न्यग्रोध, खदिर, करज्ज, नीम, बबूल आदि पेड़ों की डंडी को दातून के तौर पर करने की सलाह दी जाती है। दरअसल आयुर्वेद में मुख प्रदेश को कफ का आधिक्य स्थान कहा जाता है। फिर सुबह का समय भी कफ प्रधान होता है व पूरी रात सोने के कारण मुंह के अंदर कफ जमा हो जाता है। इसलिए शास्त्रों में कफ दोष का नाश करने वाले कटु, तिक्त और कसैला प्रधान रस वाली दातून का प्रयोग करने को कहा जाता है।

### ऐसे करें दातून

दातून को ऊपर के दांतों में ऊपर से नीचे की ओर और नीचे के दांतों में नीचे से ऊपर की ओर करना चाहिए। इससे मसूड़े मजबूत होंगे और पायरिया की समस्या भी नहीं होगी।

### इनका करें प्रयोग

**बेर:** बेर के दातून से नियमित दांत साफ करने पर आवाज साफ और मधुर होती है। इसलिए जो लोग संगीत और गायन के क्षेत्र में रुचि रखते हैं, उन्हें बेर के दातून का नियमित इस्तेमाल करना चाहिए।

**नीम:** नीम का दातून केवल दांतों को ही स्वस्थ नहीं रखता, बल्कि इसे करने से पाचन क्रिया ठीक रहती है और चेहरे पर भी निखार आता है। यही वजह है कि आज भी बहुत से पुराने लोग नियमित नीम की दातून करते हैं।

**बबूल:** इसका दातून न सिर्फ आपके दांतों को चमकाता है बल्कि आपकी बौद्धिक क्षमता और स्मरण शक्ति को भी बढ़ाता है। मसूड़ों और दांतों की मजबूती के लिए बबूल के दातून से दांत साफ करने चाहिए।

**आज**-कल इस्तेमाल किए जाने वाले टूथपेस्ट्स में काफी नमक और अम्ल मिलाया जाता है, जबकि दातून में सभी रस प्राकृतिक होते हैं। जो दांतों के साथ पाचन जैसी क्रियाओं को भी सुचारू बनाते हैं।-

# हेल्दी स्किन के लिए इन तेलों को करें इस्तेमाल

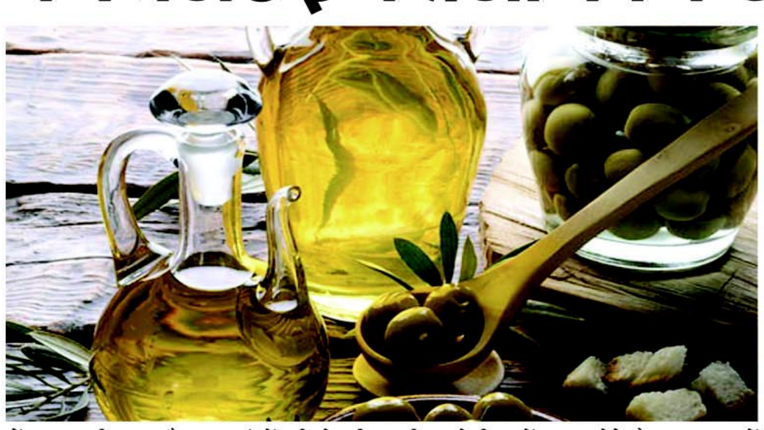

तेल हमारी त्वचा में चमक बरकरार रखने और उसे स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. जोजोबा और कैलेंडुला के सत्व वाले तेल आपकी त्वचा पर न केवल चमत्कारी असर दिखाते हैं बल्कि इसे स्वस्थ भी बनाए रखते हैं. बच्चों के लिए पहला टॉक्सिन -फ्री उत्पाद पेश करने वाले होनासा कंज्यूमर प्राइवेट लिमिटेड के मामाअर्थ ब्रांड की सह-संस्थापक गजल अलघ ने त्वचा के लिए आवश्यक तेलों के ये फायदे बताए हैं -

» जोजोबा तेल त्वचा को ज्यादा तेलीय और रूखा होने से बचाता है. जीवाणु रोधी गुण होने के कारण यह त्वचा की जलन और खुजली को भी दूर करता है. यह त्वचा में नमी बरकरार रखता है, जिससे खुजली और रूखापन नहीं होता. यह एक्जिमा को रोकने में मददगार साबित होता है.

» कैलेंडुला का तेल त्वचा पर प्रभावी रूप से असर कर इसे स्वस्थ रखता है. यह त्वचा में चमक भी लाता है. यह आंखों की रोशनी बढ़ता है और सूजन भी कम करता है.

» लैवेंडर का तेल सुकून पहुंचाने के साथ ही बढ़िया नींद लाने में कारगर होता है. यह जीवाणुरोधी गुणों वाला होने के कारण बालों से संबंधित कई समस्याओं से निजात दिलाता है. यह रूसी को खत्म कर बालों का झड़ना रोकता है.

» कैमोमाइल तेल: त्वचा को कोमल और स्वस्थ रखता है. यह एक्जिमा, घाव, अल्सर, जल जाने पर, त्वचा में जलन या खुजली होने प्राकृतिक उपचार के तौर पर इस्तेमाल में लाया जा सकता है. इसे निपल की त्वचा फट जाने पर या बच्चों को डायपर पहनने के कारण हो जाने वाले रैशेज या दोनों पर भी लगाया जा सकता है. यह माहवारी के दौरान शरीर में होने वाली ऐंठन या दर्द से भी छुटकारा दिलाता है.

» यूकेलिप्टस (नीलगिरी) का तेल आपको बीमार कर देने वाले सूक्ष्म-जीवाणुओं और शरीर से हानिकारक पदार्थो को हटाने में कारगर है. केलिप्टस का तेल अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, निमोनिया, तपेदिक जैसी बीमारियों के इलाज में भी प्रभावकारी असर दिखाता है. यूकेलिप्टस के तेल में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं, इसलिए यह जल जाने, कट जाने, घाव, खरोंच होने पर इस्तेमाल किया जा सकता है.

# ऐसे होगा जीरो फिगर पाने का सपना पूरा

आज 100 में 80 फीसदी लोग पतली कमर या 0 फिगर पाने की इच्छा रखते हैं. सैर करना, डाइटिंग करना, जिम जाना.. उनकी इसी इच्छा का एक अंग है. पर आपकी ये तमाम कोशिशें उस समय विफल हो जाती हैं, जब उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं मिल पाते. फिटनेस हर व्यक्ति के लिए जरूरी है, खासकर आज के दौर में जब हमारे पास कुर्सी पर बैठकर काम करने के अलावा कोई चारा नहीं रह गया है. अगर आप चाहते है फिट बॉडी की अपनी इच्छा पूरी करने की तो ये टिप्स आपके काफी काम आ सकते हैं.

अगर आप अपना वज़न घटाना चाहते हैं तो अपनी डाइट में से पोषक तत्वों को न हटाएं. अपने आहार में चैरी, रसीले अंगूर या हरे मटर शामिल करें. कभी भी ब्रेकफास्ट करना न भूलें. ब्रेकफास्ट में अपने पसंदीदा फलों को शामिल करें.

वज़न घटाने के लिए हैवी डाइट की बजाय लाइट डाइट लें. अंकुरित चीजें खूब खाएं. दिन के खाने में दाल ज़रूर लें. इससे आपके शरीर में प्रोटीन की मात्रा की कमी नहीं होगी और वज़न भी घटने लगेगा.

वज़न घटाने में तली हुई चीजें जैसे- आलू के चिप्स, कुकीज सबसे ज़्यादा बाधक होती हैं. इनका इस्तेमाल कम से कम करें. फास्ट फूड जैसे बर्गर, पिज्ज़ा की बजाए सलाद, फ्रुट जैसी चीज़ों को अपनी डाइट में शामिल करें.

वज़न घटाने के लिए संतुलित आहार के साथ एक्सरसाइज करना भी बहुत जरूरी है. अगर आपको स्विमिंग पसंद है तो वज़न घटाने के लिए इससे अच्छी एक्सर्साइज़ दूसरी नहीं हो सकती. इसके अलावा मॉर्निंग वॉक, रस्सी कूदने से भी आप वज़न कम कर सकते हैं. इसके अलावा योग की भी मदद ली जा सकती है.

खाने में फाइबर युक्त भोजन लें, जैसे बीन्स, ब्राउन राइस, नट्स आदि. यह आपके शरीर को कोलेस्ट्रोल से बचाता है और उसे आपके शरीर से बाहर निकालता भी है. फाइबरयुक्त भोजन आपके शरीर की एक्स्ट्रा कैलोरी को भी बर्न करता है.

कई लोगों को लगता है कि बार-बार खाने से वज़न बढ़ता है, इसलिए वे एक साथ ही ज्यादा भोजन कर लेते हैं. लेकिन यह सोच गलत है. ऐसे में ज़्यादा भूख लगती है और लोग ज़्यादा कैलोरी ले लेते हैं. इसलिए दिन में थोड़ी-थोड़ी देर पर कुछ ना कुछ खाते रहना चाहिए.

कुछ लोग हफ्ते में 5-6 दिन संतुलित आहार लेते हैं, पर हफ्ते में एक दिन वे जमकर खाते हैं. उन्हें लगता है कि एक दिन खुलकर खाने से कोई फर्क नहीं पड़ता. लेकिन ये सोच गलत है. इससे एक ही दिन में हफ्ते भर में कम की गई कैलोरी शरीर में लौट आती है.

ज्यादातर लोगों को मीठा पंसद होता है. लेकिन ज्यादा मीठा खाना वज़न घटाने वाले लोगों के लिए नुकसानदेह हो सकता है. मीठे के तौर पर गुड़, खजूर, सौंफ या फिर किशमिश खाएं. सौंफ खाना डाइजेस्ट करने में भी मदद करती है.

ज़्यादातर लोग दिन की शुरूआत कॉफी या चाय से करते हैं, जो कि सेहत के लिए नुकसानदायक होती है. सुबह उठते ही नींबू पानी, नारियल पानी या जूस लेना, वज़न घटाने में काफी फायदेमंद साबित होता है.

## रेसिपी

### बेबी फ्रिटर्स

**सामग्री**

2 आलू (उबले हुए)
2 क्यूब्स चीज
1/2 कप ब्रैडक्रंब्स
तेल तलने के लिए
12 स्टिक्स
1/2 कप मकई दाना(उबला व कटा)
4 चम्मच मैदा
लालमिर्च और नमक स्वादानुसार
आमचूर स्वादानुसार

**विधि**

सबसे पहले एक बाउल में उबले आलू, नमक, मिर्च, मकई व आमचूर को डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण की गोलगोल छोटी-छोटी बॉल्स बनाकर बीच में थोड़ा सा चीज भर कर स्टिक लगा दें। अब एक कटोरी में मैदे का घोल तैयार करके रख लें। पहले बॉल्स को मैदे के गोल में डिप करें और फिर ब्रैडक्रंब्स लपेटें और तेल में फ्राई करें। बेबी फ्रिटर्स तैयार है इन्हें सॉस के साथ सर्व करें।

### मूली मकई की रोटी

**सामग्री**

1/2 कप कसी हुई मूली
1 कप मकई का आटा
1 टी-स्पून अधरक-लहसुन का पेस्ट
1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर
1 टेबल-स्पून तेल
नमक स्वादअनुसार
तेल , पकाने के लिए

**विधि**

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर, पर्याप्त मात्रा में गुनगुने पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 6 भाग में बांट लें। आटे के प्रत्येक बाग को 2 पलासटिक शीट के बीच रखकर, 125 मिमी। (5) व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक रोटी को थोड़े तेल का प्रयोग कर, दोनो तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)